राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 17 जून 2025 वर्ष-8,अंक-118 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साइप्रस ने दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पीएम मोदी बोले- 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान

निकोसिया (एजेंसी)। साइप्रस ने सोमवार को पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से नवाजा। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान दिया। मोदी दो दिन के दौरे पर साइप्रस पहुंचे थे।

मोदी ने कहा, मैं साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है। इससे पहले मोदी का प्रेसिडेंशियल पैलेस में स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। अब मोदी जी7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे।

राष्ट्रपति निकोस ने कहा- आतंकवाद के खिलाफ साइप्रस भारत के साथ खड़ा

पीएम मोदी और राष्ट्रपति निकोस ने ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, 'हमने द्विपक्षीय संबंधों, भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों और आईएमईईसी कॉरिडोर पर भी बात की। साइप्रस-तुर्किये मुद्दे और साइप्रस के पुनः एकीकरण भी चर्चा में शामिल रहा। साइप्रस किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। भारत और साइप्रस के बीच रिश्ते न तो परिस्थितियों से बने हैं, और न ही ये सीमित हैं।हम एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं।

इजरायल-ईरान में भीषण जंग के हालात

इजरायल के हमलों से ईरान के हाईवे जाम, तेहरान छोड़कर भाग रहे लोग

इजराइल की धमकी- तेहरान के लोग कीमत चुकाएंगे

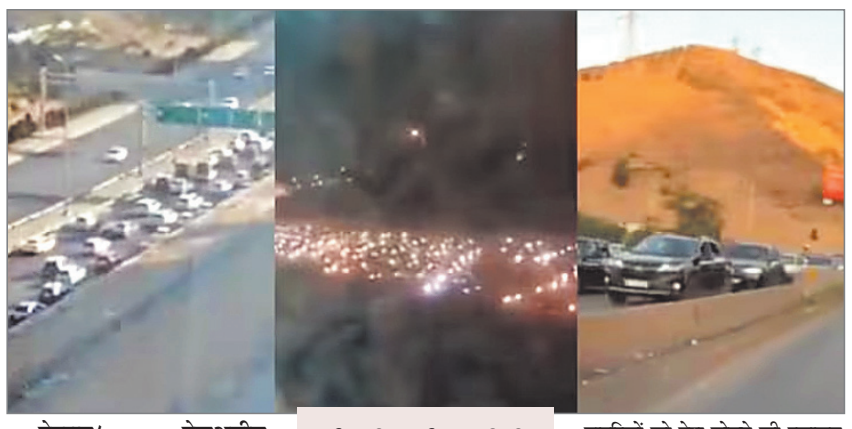

तेहरान/ तेलअवीव (एजेंसी)। युद्ध कितना खतरनाक होता है और ये कितनी कुर्बानियां लेता है, ये बताने की जरूरत नहीं है। कम से कम इस वक्त दुनिया में छिड़ी हुई जंग तो इसकी खौफनाक तस्वीर दिखाने के लिए काफी है। ऐसे में अब

- ईरान से आर्मेनिया के रास्ते लौटेंगे भारतीय छात्र

लोग डर के मारे ईरान छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक कई लोग देश के उत्तरी ग्रामीण क्षेत्रों की ओर भागने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी वजह से भारी ट्रैफिक के चलते सड़कें जाम हो चुकी हैं।

ईरान की राजधानी तेहरान में बढ़ते हुए खतरे को देखते हुए नागरिकों ने शहर छोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के ताबड़तोड़ हमलों के चलते ईरान की सैन्य संरचनाओं और परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है. लगातार हो रही बमबारी, मौत और ज़ख्मी लोगों की कराह ने शहर का माहौल डरावना बना दिया है। अभी युद्ध का कोई अंत नहीं नज़र आ रहा है, ऐसे में लोग देश छोड़कर भागने लगे हैं। इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। ईरान में भगदड़ जैसी स्थिति है और हाइवे जाम हो रहे हैं। लोग घर छोड़ भाग रहे हैं।

छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं।

विदेशी नागरिकों को ईरान छोड़ने से पहले राजनयिक मिशनों के जरिए ईरान के जनरल प्रोटोकॉल विभाग को अपना नाम, पासपोर्ट नंबर, गाड़ी डिटेल्स, देश से निकलने का समय और जिस बॉर्डर से जाना चाहते हैं, उसकी जानकारी पहले से देनी होगी।

ईरानी आईआरजीसी के सीक्रेट हेड सहित 4 अफसरों की मौत

इजराइल एयरफोर्स ने एक्स पर बताया कि शनिवार को तेहरान में उसके हमले से 4 ईरानी खुफिया अफसरों की मौत हो गई है।

ईरान के हमले में 8 इजरायलियों की मौत

दूसरी तरफ, ईरानी सेना ने सेंट्रल इजराइल में कई जगहों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। पिछले 4 दिनों के दौरान इजराइल में ईरान का यह सबसे बड़ा हमला है।

ईरानी हमलों से इजराइल में अब 24 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 600 से ज्यादा घायल हैं। ईरान में अब तक 224 लोग मारे गए हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है।

इजरायल का दावा- ईरान के 30 फीसदी मिसाइल लॉन्चर्स खत्म किए

इजराइल ने दावा किया है कि उसने ईरान के 30 फीसदी मिसाइल लॉन्चर्स खत्म कर दिए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक, उसने 50 से ज्यादा फाइटर जेट्स और एयरक्राफ्ट्स से ईरान पर हवाई हमले किए और 120 से ज्यादा मिसाइल लॉन्चर्स नष्ट कर दिए। इजराइली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर-जनरल एफी डेफ्रिन ने एक टीवी चैनल को यह जानकारी दी।

अगली जनगणना होगी 2027 में, केंद्र ने जारी कर दिया नोटिफिकेशन

* देश में पहली डिजिटल-प्लस जाति जनगणना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने देश की अगली जनगणना के लिए वर्ष 2027 को निर्धारित करते हुए औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस अधिसूचना के अनुसार, देश के अधिकांश हिस्सों में जनगणना की आधार तिथि 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि होगी। हालांकि, ठंडे और बर्फीले क्षेत्रों–जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के कुछ भाग, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड–में यह तिथि 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम की कठोर परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

गौरतलब है कि यह अधिसूचना वर्ष 2019 में जारी पुराने आदेश को निरस्त करते हुए लागू की गई है। कोविड-19 महामारी के चलते वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना को स्थगित कर दिया गया था, जिसके बाद यह निर्णय देशभर में बहुप्रतीक्षित था। सरकार का कहना है कि इस जनगणना के माध्यम से जनसंख्या से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और अन्य पहलुओं पर आधारित आंकड़े जुटाए जाएंगे। ये आंकड़े आगामी नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए दिशा-निर्देशक की भूमिका निभाएंगे।

पहली डिजिटल-प्लस-जाति जनगणना

केंद्र सरकार ने औपचारिक अधिसूचना जारी कर देश-व्यापी जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह 16 वां अखिल भारतीय और स्वतंत्र भारत का 8 वां जनगणना-अभियान होगा, जो 2011 के बाद पहली बार देश की जनसंख्या, धर्म-सम्प्रदाय और सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल का अद्यतन चित्र पेश करेगा। इस बार की जनगणना को दो-चरणी में शेड्यूल किया गया है, पहले चरण में (हाउस-लिस्टिंग एवं आवास अनुसूची): 16 जून 2025 से 28 फरवरी 2026 तक, जिसके तहत हर मकान और बुनियादी सुविधाओं का ब्योरा दर्ज होगा। दूसरे चरण में (जनसंख्या एवं जाति-गणना): 27 फरवरी 2027 से 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि तक; यही तिथि 'जनगणना-संदर्भ' भी होगी। बर्फीले क्षेत्रों–जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड–में यह संदर्भ-तिथि 1 अक्टूबर 2026 रखी गई है।

जाति-आधारित आंकड़े: आज़ादी के बाद पहली बार मूल जनगणना प्रपत्र में ही विस्तृत जाति-वर्गीकरण दर्ज होगा, जिससे पिछली बार के सामाजिक-आर्थिक सर्वे (एसईसीसी-2011) की विसंगतियाँ दूर होंगी।

मोबाइल-ऐप व पोर्टल: 30लाख से अधिक प्रशिक्षित गणनाकर्मी टैबलेट-आधारित मोबाइल-ऐप से डेटा भरेंगे, जबकि नागरिक सेल्फ एनुमरेशन पोर्टल पर स्वयं व अपने परिजनों का प्रोफ़ाइल अपडेट कर सकेंगे। पोर्टल केवल संदर्भ-तिथि से कुछ दिन पहले तक खुला रहेगा, ताकि अंतिम समेकन समय पर पूरा हो सके।

कोरोना से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा मौतें

- जबलपुर में डिलीवरी के बाद महिला की जान गई; देशभर में 7264 एक्टिव केस

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, रविवार को 11 मरीजों ने जान गंवाई। केरल में 7 और दिल्ली, छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र में 1-1 मौत हुई है। कोविड के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में 7264 एक्टिव मरीज हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1920 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1433 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला है, जबकि 119 मरीज रिकवर हुए हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को बच्चे को जन्म देने के एक दिन बाद महिला (27 साल) की कोविड से मौत हो गई।

अहमदाबाद विमान हादसा

विजय रूपाणी का शव राजकोट पहुंचा

- अब तक 99 शवों की पहचान हुई

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हुआ था। सोमवार को उनका शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद शव चार्टर्ड प्लेन के जरिए राजकोट लाया गया।

पुलिस की सुरक्षा के बीच शव को वाहन के जरिए रूपाणी के राजकोट निवास ले जाया जा रहा है। शाम अंतिम संस्कार किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी राजकोट पहुंचे थे।

इधर, अहमदाबाद विमान हादसे को 4 दिन बीत चुके हैं। इन चार दिनों में 250 शवों का डीएनए सैंपल लिया गया। अब तक 99 डीएनए मैच हो गए हैं, जिनमें से 64 शव उनके परिजनों को सौंपे गए हैं।

एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई की प्रशंसा कर शाह ने कहा, भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की प्रशंसा की, जिससे भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम चाहते हैं कि इंटरस्टेट मॉक ड्रिल को सालाना कार्यक्रम बनाए। मेरा मानना ??है कि राज्यों की मदद के बिना इसतरह का काम संभव नहीं है। कई चक्रवात, कई आपदाएँ ऐसी होती हैं जिनके लिए इंटरस्टेट मॉक ड्रिल की जरुरत होती है और हम राज्यों की मदद के बिना नहीं कर सकते। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम आने वाले दिनों में इस पर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम स्टार्टअप इंडिया को आपदा राहत तकनीक के विकास से भी जोड़ना चाहते हैं। मैं आपको पहले से बता रहा हूँ कि राज्यों को भी इसके लिए मंथन शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जो काम किया है, वह सराहनीय है। शाह ने कहा कि हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि 10 वर्षों के भीतर ही एनडीएएम, एनडीआरएफ और सीडीआरआई इन तीनों संस्थाओं ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के और करीब ला दिया है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों की संरचना, शोध कार्य, विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के लेखों को लोगों तक पहुँचाना, अनेक ऐप बनाना और नीतिगत मामलों के समग्र समन्वय में बहुत बढ़िया काम किया है...एनडीआरएफ ने पूरे देश में अपनी छवि बनाई है, ख्याति और सम्मान भी कमाया है।

जनता की सेवा हमारे डीएनए में, हम जनसेवक हैं शासक नहीं : राजनाथ सिंह

* जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की ताकत

* चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है - सीएम डॉ. यादव

* ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी रक्षा उपकरण के प्रयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- विष्णुदत्त शर्मा

* देश के इतिहास, धर्म, परंपरा और संस्कृति को आगे ले जाने के लिए भाजपा का गठन हुआ-डॉ. महेन्द्र सिंह

भोपाल/पचमढ़ी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सांसद एवं विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने द्वादश सत्र को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी सांसद और विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बात सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं शासक नहीं है। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। जनता का भरोसा जीतें और हर संकट के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचें। अपनी सोच को बड़ा रखिए, अपनी दृष्टि को बड़ा कीजिए। महापुरूषों की विचारधारा को आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करें। हमारा उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, जनता की सेवा है, इसलिए हमने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं इसलिए भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी। हमारे लिए राष्ट्र निर्माण और विचारधारा सबसे प्रथम है। मध्यप्रदेश का आदर्श कार्यकर्ता है, कभी मर्यादाएं नहीं तोड़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया जा सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी रक्षा उपकरण के प्रयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी की विचारधारा राष्ट्र निर्माण करने वाले विचारों की श्रृखला है। पंच निष्ठाएं हमारे वैचारिक अधिष्ठान और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का आह्वान भी है। देश के इतिहास, धर्म, परंपरा और संस्कृति को आगे ले जाने के लिए भाजपा का गठन हुआ है।

गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा को खत्म करने में जुटी

* कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करने में लगी है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को ख़त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के ख़िलाफ़ अपराध है। खड़गे ने कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वे गरीबों की जेब से करीब 25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, डिमांड से ज़्यादा होने पर अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा एक मांग- के साथ आने वाली योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में डिमांड की वृद्धि होती है, तब क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?

अंडमान सागर में मिले विशाल कच्चे तेल भंडार के संकेत, यदि पुष्टि हुई तो घट जाएगी आयात पर निर्भरता

* पुरी ने कहा- भारत गयाना-स्तर की खोज के मुहाने पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इज़राइल तनाव से कच्चे तेल का बाजार सिहर उठा है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि हालात बिगड़े तो ब्रेंट क्रूड 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत के लिए उत्साहजनक खबर आई है, जिसके मुताबिक अंडमान सागर में विशाल कच्चे तेल भंडार के संकेत मिले हैं। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है तो भारत की आयात निर्भरता घट जाएगी।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक बातचीत में इस आशय का दावा किया है। मंत्री पुरी ने कहा, कि भारत गयाना-स्तर की खोज के मुहाने पर खड़ा है। दरअसल गयाना के स्टैब्रोक ब्लॉक में अमेरिकी हेस कॉरपोरेशन और चीनी सीएनओओसी ने अब तक 11.6 अरब बैरल के अनुमानित भंडार की खोज की है, जिसने उस छोटे दक्षिण अमेरिकी देश को वैश्विक ऊर्जा-नक्शे पर चमका दिया।

तेल आयात में आएगी भारी कमी: फिलहाल भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 फ़ीसदी तेल आयात करता है और आयातक देशों में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। अंडमान में वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य रिज़र्व मिलने पर यह निर्भरता तेज़ी से घट सकती है।

अर्थव्यवस्था को बूस्टर : पुरी के अनुसार, खोज सफल होती है तो 3.7 ट्रिलियन डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था दो दशक के अंदर में ही 20 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छू सकती है। ऊर्जा सुरक्षा से विनिर्माण-वित्तीय सेवाओं तक व्यापक असर पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पर्याप्त तेल उत्पादन होने पर भारत खुद तेल निर्यातक क्लब में शामिल हो सकता है, जिससे चालू खाते का घाटा सिमटने और रुपये को बल मिलने की संभावना है।

आगे की राह

सरकारी अन्वेषण कंपनी ओएनजीसी और डीजीएच (हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय) के भूकंपीय सर्वे और अन्वेषण मंच सागर सम्राट पर पहले दौर की ड्रिलिंग की जा रही है। मौजूदा वक्त तक मिले डेटा 'उत्साहजनक' बताये गए हैं, पर भंडार का सटीक प्रमाण और गुणवत्ता का आकलन 'अप्रैज़ल वेल' पूरा होने के बाद ही होगा। यदि परिणाम सकारात्मक रहे तो 2027-28 तक विस्तृत विकास-योजना (एफडीपी) तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

बावजूद इसके विश्लेषकों का कहना है, कि आशाजनक संकेत के बाद भी तेल का घरेलू उत्पादन कई साल दूर लगता है, इस बीच भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव भारत की ऊर्जा लागत तय करते रहेंगे। यही कारण है कि केंद्र समानांतर रूप से हरित-ऊर्जा और सामरिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) विस्तार को भी आगे बढ़ा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

नीरज कुमार दुबे

ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ₹डि-फैक्टो₹ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे।

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इजराइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इजराइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे।

वैसे ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ₹डि-फैक्टो₹ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रजा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इजराइल को तेल की जरूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के जरिए

इजराइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इजराइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ₹ळ१ल्लि३₹ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इजराइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इजराइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है।

वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी।

बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान-इजराइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल-पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। वैसे ईरान और इजराइल का वह गुप्त मैत्री संबंध इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित और परिस्थितियाँ ही दोस्त या दुश्मन बनाती हैं।

संपादकीय

युद्ध की लपटें

इजरायल के ईरान पर भीषण हमले और ईरान के जवाबी हमले से दुनिया की सांसें अटकी हैं। हालांकि लड़ाई फिलहाल दो देशों तक सीमित दिख रही है लेकिन बड़ा सवाल है कि इजरायल के हौसले कहां तक बढ़ेंगे। उसने गाजा को मटियामेट कर दिया है। लेबनान और यमन पर जब देखो तब हमले करता रहता है। हिज्बुल्लाह और हूतियों के खिलाफ मोर्चे पहले ही खुले हुए हैं। अब वह ईरान के पीछे पड़ गया है। बहाना ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने का है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाएं दोनों देशों से संयम बरतने की अपील मात्र कर पा रही हैं। इजरायल को अमेरिका का खुल्लमखुल्ला साथ मिला हुआ है। उसके हमलावर तेवरों और अकड़ से यह बात साफ झलकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ तो ईरान के साथ परमाणु वार्ता कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनका उद्देश्य सिर्फ ईरान को दबाना है। ईरान पहले ही कह चुका है कि वह परमाणु हथियार बनाने की बजाय शांतिपूर्ण उपयोग तक सीमित रहने की संधि करने को तैयार है। इसके बावजूद इजरायल ने भीषण हमले कर ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई और कई परमाणु वैज्ञानिकों और जनरलों को मार डाला। उसे उम्मीद नहीं थी कि ईरान जवाबी हमले भी कर सकता है लेकिन क्षति के बावजूद ईरान ने जवाबी हमले कर इजरायल को दहला दिया है। अगर दोनों देशों में लड़ाई और फैलती है तो क्या होगा? परिस्थितियां भयावह हालात की ओर संकेत कर रही हैं। इजरायल को कौन रोकेगा जब ट्रंप उसका साथ देते हुए ईरान को ही सलाहियतें दे रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों का रुख गोलमोल है। ले दे कर ईरान के पक्ष में रूस और चीन के ही आने की उम्मीद बन सकती है, लेकिन रूस पहले ही यूक्रेन के साथ तीन साल से युद्ध में उलझा हुआ है, और फिलहाल उसके इससे बाहर निकलने की सूरत दूर-दूर तक नहीं दिखती। बचा चीन तो वह सबसे पहले अपने व्यापारिक हितों को देखेगा। ट्रंप की चालबाजियों से आजिज ईरान पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला बोल सकता है जैसे कि इराक में स्पेशल फोर्सेज, खाड़ी में सैन्य अड्डे और क्षेत्र में मौजूद राजनयिक मिशनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे ईरान के प्रॉक्सी बलों की ताकत बहुत कुछ कम हो चुकी है, लेकिन वे चुके नहीं हैं। अमेरिका अगर युद्ध में कूदा तो रूस और चीन को रोकना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे हालात में क्या होगा कोई नहीं जानता।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019' की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी

उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन : मोदी की भूमिका है बड़ी

डॉ. एस.पी. शाही

जून 16-17, 2025 को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित होने वाला 51वां जी-7 शिखर सम्मेलन न केवल इस समूह की 50वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक नेतृत्व के एक नये संतुलन की भी झलक देता है।

भले ही भारत जी-7 का औपचारिक सदस्य अभी नहीं है, किंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निरंतर और प्रभावी उपस्थिति इस मंच पर भारत की बढ़ती रणनीतिक महत्ता को तो दशार्ती ही है।

इस वर्ष भारत की जी-7 शिखर सम्मेलन में 12वीं सहभागिता होगी जबकि जी-7 शिखर सम्मेलन में यह प्रधानमंत्री मोदी की छठी उपस्थिति है।

यह तथ्य स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत को अब केवल एक आमंत्रित देश के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श में एक सक्रिय भागीदार के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में निरंतर सहभागिता ने भारत की भूमिका को केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि स्वयं को एक वैश्विक नीति-निमार्ता के रूप में भी स्थापित किया है।

वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है, जिसकी जीडीपी कई जी-7 देशों विशेषकर-फ्रांस, इटली और कनाडा-से अधिक हो चुकी है। भारत का यह आर्थिक प्रभाव ध्यान खींचता है। इसके साथ ही भारत का युवा जनसांख्यिकीय लाभ और तकनीकी क्षमता यकीनन उसे एक वैश्विक साझेदार के रूप में और भी अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने ह्यग्लोबल साउथह्ल की आवाज को प्रभावशाली ढंग से विश्व मंचों पर प्रस्तुत किया था जिससे उसकी रणनीतिक स्थिति और भी सुदृढ़ हुई है।

भारत का जी-7 शिखर सम्मेलन में दृष्टिकोण बहुआयामी रहा है। इसलिए कि वह इस मंच को केवल आर्थिक नीति निर्धारण का अवसर भर नहीं मानता, बल्कि जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर साझा रणनीति तैयार करने के लिए एक अवसर के रूप में भी देखता है। इस वर्ष के जी-7 एजेंडे के तीन प्रमुख स्तंभ हैं-1. शांति और सुरक्षा की रक्षा, 2. ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन, और 3. भविष्य के लिए साझेदारी। इन सभी में भारत की नीति और प्राथमिकताएं प्रतिध्वनित होती हैं।

कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई), खनिज सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भारत का योगदान इस कदर रहा है कि भारत आज विश्व में एआई के अनुसंधान एवं विकास में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, भारत स्टैक जैसे नवाचारों ने भारत को टेक्नोलॉजिकल सुपरपावर के रूप में उभारा है। जी-7 में यह अनुभव साझेदारी के रूप में काम आ सकता है, विशेषकर विकासशील देशों की डिजिटल समावेशिता में।

भारत लगातार इस बात पर बल देता आया है कि वैश्विक निर्णयों में विकासशील देशों की चिंताओं को समुचित स्थान मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 जैसे मंचों पर बार-बार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की समस्याएं भी वैश्विक एजेंडे का हिस्सा बनें। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी के साथ कई द्विपक्षीय वार्ता बैठकें भी प्रस्तावित हैं। ये वाताएं भारत की रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का अवसर देंगी, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में संयुक्त निवेश, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में।

जी-7 शिखर सम्मेलन अब केवल एक पश्चिमी देशों का क्लब भर नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन चुका है जहां वैश्विक नेतृत्व की नई परिभाषाएं लिखी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल एक श्रोता या दर्शक भर नहीं रहा, बल्कि वह एक निर्णायक आवाज भी बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण वैश्विक समरसता, साझा विकास और समावेशी भविष्य की ओर केंद्रित है, और जी-7 जैसे मंच भारत को इसी वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। कहा जा सकता है कि भारत

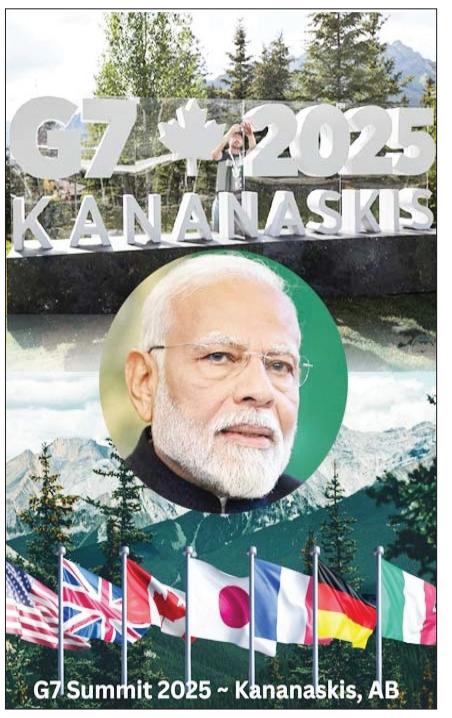

की भागीदारी, केवल उपस्थिति नहीं दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अपना एक अलग प्रभाव है।

(लेखक मगध विविश्व के कुलपति हैं। लेख में विचार निजी हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोलर सेक्टर में काम करेगी कंपनी, कल रहेगी निवेशकों की नजर, 45 पैसे का है शेयर

मुंबई। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2 प्रतिशत से अधिक टूट गए और 0.45 रुपये पर पहुंच गए थे। दरअसल, कंपनी ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी सोलर एनर्जी और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करेगी, जिससे इस क्षेत्र में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

क्या है डिटेल

नासिक स्थित इंफ्रास्ट्रक्चर और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सेवा फर्म ने 14 जून को घोषणा की कि उसने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया है। केबीसी ग्लोबल ने कहा,बोर्ड मेंबर ने 13 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में इस कदम को मंजूरी दे दी।

नई कंपनी सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो स्थिरता और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप होगी। कंपनी ने आगे बताया कि धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्यूएबल एनर्जी मॉड्यूल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास और सुधार सहित कई तरह की गतिविधियों में शामिल होगी। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, आयात, निर्यात, संयोजन, निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, परिवर्तन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम का संचालन शामिल है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को अक्षय ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ते हैं - जिसका उद्देश्य सोलर एनर्जी परियोजनाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करना है। कंपनी बुनियादी ढांचे और ईपीसी परियोजनाओं पर फोकस करने और बाजार में अपने ब्रांड को फिर से स्थापित करने के लिए रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड से धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड में रीब्रांडिंग कर रही है। फरवरी 2024 में, निदेशक मंडल ने 260 करोड़ के ऑर्डर बुक साइज के साथ शेयरधारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

केबीसी ग्लोबल शेयर

जून में अब तक पेनी स्टॉक में लगभग 22 प्रतिशत की उछाल आई है और ऐसा लगता है कि यह सात महीने की गिरावट के अपने सिलसिले को तोड़ने वाला है। पिछले साल भर में, स्टॉक में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है, पिछले साल 7 नवंबर को 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1.28 और इस साल 13 मई को 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 0.34 पर पहुंच गया।

निवेशकों को तगड़ा झटका !

एसबीआई ने इस एफडी की ब्याज दर पर चलाई कैंची

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत वृष्टि स्पेशल एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में कटौती कर दी है, जिससे फिक्स्ड डिपॉजिट करने वाले निवेशकों को झटका लगा है। नई ब्याज दरें 15 जून 2025 से लागू होंगी। हालांकि, अन्य सामान्य एफडी योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कितना घटा ब्याज

अमृत वृष्टि योजना में 444 दिनों की अवधि के लिए अब ब्याज दर 6.85 प्रतिशत से घटाकर 6.60 प्रतिशत कर दी गई है। यह कटौती 25 बेसिस प्वाइंट की गई है।

सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए क्या है नई दर- सीनियर सिटीजन (60 वर्ष या उससे अधिक) को अब 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष या उससे अधिक) को 7.20 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जिसमें 10 बीपीएस का अतिरिक्त लाभ शामिल है।

समय से पहले एफडी तोड़ने पर पेनल्टी- 5 लाख रुपए तक की एफडी: समय से पहले तोड़ने पर 0.50 प्रतिशत जुर्माना। 5 लाख से 3 करोड़ रुपए तक की एफडी: तोड़ने पर 1 प्रतिशत जुर्माना।

ब्याज दरों में कटौती का कारण

हाल ही में आरबीआई की जून नीति बैठक में रेपो रेट में 50 बीपीएस की कटौती की गई थी।

कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर, नेट प्रॉफिट में 316 प्रतिशत उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट मीटरिंग कंपनी जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शेयर बाजार में बीते कुछ सालों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। इस कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत का वर्क ऑर्डर है। अगले 3 से 4 महीने में तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और वेस्ट बंगाल में 27,300 करोड़ रुपये का टेंडर खुलने जा रहा है। बता दें, इस कंपनी के प्रदर्शन को लेकर 2-2 एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों पर नजर रखने वाले 2 एक्सपर्ट्स ने रेटिंग दी है। दोनों ब्रोकर ने इस स्टॉक को ब्ख्ब् टैग दिया है। बता दें, इस कंपनी की वित्तीय स्थिति भी काफी मजबूत है।

कंपनी का रेवन्यू कितना रहा है- जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का रेवन्यू मार्च तिमाही के दौरान 937 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 420 करोड़ रुपये रहा था। यानी रेवन्यू के मोर्चे पर 123.10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 316.13 प्रतिशत बढ़ा है। जोकि एक वित्त वर्ष पहले इसी तिमाही में यह 31 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 129 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन बीते एक साल में कैसा रहा

शुक्रवार को जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर 3.88 प्रतिशत की गिरावट के बाद 370.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। वहीं, 2 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 256 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 5 साल में इस कंपनी ने 1833 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

स्पाइसजेट का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में तीन गुना होकर 325 करोड़ रुपए पर

मुंबई, एजेंसी। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात एकल मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध

लाभ 119 करोड़ रुपए था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपए रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपए से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपए रह गया।

अमेजन के जेफ बेजोस की जगह इस बिजनेसमैन ने ली

बने दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, 1 दिन में 26 बिलियन जोड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति नहीं रह गए। लैरी एलिसन ने गुरुवार को अपने नेटवर्थ में 26 बिलियन डॉलर जोड़े हैं। जोकि किसी भी अरबपति के द्वारा एक दिन में जोड़ा गया सबसे अधिक पैसा है। जिसके बाद 12 जून को उनकी नेट वर्थ 243 बिलियन डॉलर हो गई है। वहीं, अमेजन के चेयरमैन जेफ बेजोस की नेटवर्थ 227 बिलियन डॉलर है। बता दें, जेफ बेजोस ने 8 साल के बाद अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे स्थान को गंवाया है। जेफ बेजोस इस समय मेटा के चेयरमैन मार्क जुकरबर्ग (239 बिलियन) से भी पिछड़ गए हैं। बता दें, अरबपतियों की लिस्ट में नंबर एक स्थान पर इस समय भी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क काबिज हैं। उनकी नेटवर्थ 407 बिलियन

डॉलर है। एलिसन की संपत्ति में इजाफा ओरेकल के शानदार प्रदर्शन की वजह से हुआ है। मई में समाप्त हुए तिमाही में ओरेकल का नेट प्रॉफिट और रेवन्यू मार्केट के अनुमान के मुताबिक रहा है। जिसकी वजह कंपनी के शेयरों का भाव पहली बार 200 डॉलर को क्रॉस कर गया। जिसका फायदा एलिसन को भी मिला है। फॉर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार ओरेकल के शेयरों की कीमतों में बुधवार को 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। कंपनी की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार अर्निंग पर शेयर 1.70 डॉलर पहुंच गया है। वहीं, सेल्स 15.9 बिलियन डॉलर रहा है।

जेफ बेजोस कब बने थे दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति- अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 2017 में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। तब उनका नेटवर्थ 75.6 बिलियन डॉलर पहुंच गया था।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड (कंपनी), जो विभिन्न क्षेत्रों के निर्माताओं के लिए पूरी तरह से स्वचालित रोबोटिक लाइनों और कस्टम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का डिज़ाइन और निर्माण करती है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश सोमवार, 16 जून 2025 को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इस इश्यू के माध्यम से 69.61 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इस इश्यू के तहत कंपनी 58,00,800 इक्विटी शेयर 10 के फेस वैल्यू पर, प्राइस बैंड 114 से 120 प्रति शेयर के बीच जारी करेगी।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा- नई विनिर्माण सुविधा की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ ऋणों का पुनर्भुगतान, और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताएं।

इस इश्यू के लिए एंकर निवेश की प्रक्रिया 13 जून 2025 को खुलेगी और इश्यू 18 जून 2025 को बंद होगा।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज पाटिल ने कहा, इस पब्लिक ऑफरिंग के साथ हम अपनी विकास यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य पटिल ऑटोमेशन को कस्टमाइज़्ड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स के अग्रणी प्रदाता के रूप में और मजबूत करना है। हमने उच्च गुणवत्ता वाले, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ऑटोमेशन सिस्टम लगातार डिलीवर कर देश के प्रमुख आइएमएस और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ मजबूत साझेदारियाँ विकसित की हैं। आज हम 10 राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति और लगातार मिल रहे रिपीट ऑर्डर्स के माध्यम से अपने समाधान की विश्वसनीयता और ग्राहक प्रतिबद्धता को सिद्ध कर चुके हैं। यह आगामी आईपीओ हमारे दीर्घकालिक विज़न का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे प्राप्त पूंजी का उपयोग हम एक नई मैन्युफैक्चरिंग सुविधा की स्थापना के लिए करेंगे, जिससे हम विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन और डिफेंस सेगमेंट में बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। साथ ही, यह हमारे भविष्य के विकास को वित्तीय मजबूती प्रदान करेगा।

श्री गौतम लाठ, निदेशक, सीरीन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, हमें पाटील ऑटोमेशन लिमिटेड के आईपीओ में लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर खुशी हो रही है। कंपनी ने औद्योगिक ऑटोमेशन क्षेत्र में ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए व्यावहारिक और कस्टमाइज्ड समाधान प्रदान करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है।

उद्योगों में बढ़ती दक्षता और तकनीक अपनाने पर जोर के साथ ऑटोमेशन की मांग लगातार बढ़ रही है। पाटील ऑटोमेशन अपनी वर्तमान क्षमताओं और अनुभव के साथ इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमें विश्वास है कि इस आईपीओ से मिलने वाली राशि कंपनी को अपने विनिर्माण ढांचे के विस्तार और नए उभरते क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने में सहायता करेगी।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्मॉल कैप स्टॉक, रिकॉर्ड डेट इसी महीने, कीमत 50 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक का भाव 50 रुपये से कम का है। आइए विस्तार से जानते हैं इस स्टॉक के विषय में -

10 टुकड़ों में बांटा जाएगा- लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया गया है। 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने 24 जून 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा- शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 21.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते एक महीने के दौरन कंपनी के शेयरों की कीमतों में 29 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों का भाव 12.22 नीचे गिरा है। सेंसेक्स इंडेक्स में इस दौरान 5.61 प्रतिशत की उछाल देखन को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 26.72 रुपये और 52 वीक लो लेवल 11.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 57.69 करोड़ रुपये का है। 2 साल

आकाश भोपाल के ठाकुर आर्यमन सिंह की नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 568

भोपाल। देशभर में परीक्षा की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि भोपाल शाखा के 5 छात्रों ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष रैंक प्राप्त की है।

यह उत्कृष्ट उपलब्धि छात्रों की निष्ठा, शैक्षणिक अनुशासन और एइएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। भोपाल शाखा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं: ठाकुर आर्यमन सिंह - ऑल इंडिया रैंक 568 विशिष्ठा यादव एआइआर 1709, आस्था चौधरी एआइआर 2519, अनुष्ठा सिंह एआइआर 2629, मनमीत कौर मोंगा एआइआर 2900, ये छात्र एइएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एइएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट वैचारिक समझ और नियमित एवं अनुशासित अध्ययन पद्धति को दिया। छात्रों ने कहा-हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारी इस यात्रा में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। संगठित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम और व्यक्तिगत मेंटरशिप ने जटिल विषयों को समझना आसान बना दिया।

एइएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा- नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की उत्कृष्ट सफलता पर हमें अत्यधिक गर्व है। इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना कोई साधारण बात नहीं है, विशेष रूप से तब जब इसमें देशभर से लाखों छात्र भाग लेते हैं। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत और दृढ़ संकल्प का, बल्कि उनके अभिभावकों के सहयोग और हमारी अकादमिक टीम की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण हैं। हम इन सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

800 प्रतिशत रिटर्न देने वाले स्टॉक को 5 हिस्सों में हो रहा बंटवारा

69.30 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जाएगा। कंपनी वारेंट्स के जरिए 69.30 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। कंपनी ने ईजीएम आज 11 जुलाई 2025 को होगी। इसी में अप्रूवल किया जाएगा। आइए डीटेल्स में जानते हैं -

5 हिस्सों में बंट रहा है स्टॉक - केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। जल्द ही कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जाएगा।

2018 में कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- केलटॉन टेक सॉल्यूशंस ने 2018 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। 2021 में इस कंपनी ने बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 पैसे का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा है- शुक्रवार को केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का भाव 2.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 130.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था बीते एक हफ्ते में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.96 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 28 प्रतिशत का फायदा हुआ है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 184.30 रुपये और 52 वीक लो लेवल 95.05 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1274.51 करोड़ रुपये का है।

5 साल में केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की कीमतों में 800 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 206 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका, द्रविड़-वीरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा।

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

आईसीसी ने घोषित किया महिला एकदिवसीय विश्वकप का कार्यक्रम, भारत पाक मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल 30 सितंबर से शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये टूर्नामेंट इस साल 30 सितंबर से भारत में शुरुह होगा हालांकि इसमें पाकिस्तान के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही हाईब्रिड मॉडल रखा गया है। इसमें मेजबान भारतीय टीम श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 30 सितंबर को खेलेगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं फाइनल 2 नवंबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया इसमें पहला मुकाबला 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान के सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नामें में भारत में होने वाले मैच बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापत्तनम जबकि श्रीलंका में होने वाले मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। ये सभी मैच दोपहर 3 बजे से होंगे।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था,'

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे.'

उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

सरफराज को लेकर टीम प्रबंधन पर बरसे आकाश चोपड़ा

-तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

मुम्बई (एजेंसी)। भारत ए की ओर से बल्लेबाज सरफराज खान के अच्छे प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक बार फिर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। चोपड़ा ने कहा है कि अगर प्रबंधन को सरफराज पर भरोसा ही नहीं था तो उसे क्यों इंग्लैंड दौरे पर ले जाया गया था। चोपड़ा ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि सरफराज को इस दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए और भारतीय टेस्ट टीम के बीच इंट्रा स्क्वॉड मैच में सरफराज ने जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने कहा है कि जब आपको सरफराज की तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

15 चौके और 2 छक्कों की मदद से इस इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक लगाने से पहले सरफराज ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी 92 रनों की पारी खेली थी। पिछली सीरीज के दौरान ये बल्लेबाज भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उसको अवसर नहीं मिला था। इस पर चोपड़ा ने कहा है कि इस खिलाड़ी ने ऐसा कुछ गलत नहीं किया है कि उनको टेस्ट टीम में न रखा जाए।

चोपड़ा ने कहा, सरफराज ने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। वास्तव में, उन्होंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने जो एक मैच खेला, उसमें उन्होंने 90 से ज्यादा रन बनाए। वे शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने रन बनाए। उसके बाद, आपने उन्हें अगले मैच में नहीं खिलाया और वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह अब तक इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में विफल नहीं हुए हैं, लेकिन आपने उन्हें मौका ही नहीं दिया। यह अच्छी कहानी नहीं है। मैं समझ सकता हूं कि अगर आपको उसकी तकनीक या खेलने के तरीके पर भरोसा नहीं है, तो शायद वह वहां रन नहीं बना पाएगा, तो आपको फैसला लेना होगा। फिर उसे इंडिया ए के साथ भी मत भेजिए, क्योंकि आपके

पास पहले से ही एक धारणा है।

आकाश ने कहा, अगर आपको लगता है कि वह रन बना सकता है और इसीलिए उसे इंडिया ए टीम में चुना गया है, तो उसे इंडिया टेस्ट टीम में भी खिलाइए। उसने क्या गलत किया है? उसने बेंगलुरु में शतक बनाया। फिर वह दो मैचों में विफल रहा, लेकिन उन मैचों में किसी और ने भी तो रन नहीं बनाए। उसने ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं खेला। वहीं सरफराज को टेस्ट टीम से बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तर्क दिया था, कभी-कभी आपको सिर्फ अच्छे फैसले लेने होते हैं।

डब्लयूटीसी जीतने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी टीम की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल खिताब जीतने के बाद भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। वहीं डब्लयूटीसी फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम अब ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी टीम 114 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि 123 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बरकरार है। इंग्लैंड की टीम 113 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंची है। वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम 20 जून से शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी ,इसमें जीत से वह अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहेगी। न्यूजीलैंड आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। वहीं श्रीलंका की टीम छठे और पाकिस्तान की टीम सातवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज की टीम इस समय 8वें नंबर पर बनी हुई है जबकि बांग्लादेश 9वें स्थान पर है। आयरलैंड की टीम 10वें पायदान पर है ।

बीसीसीआई ने यात्रा नीति में किया बदलाव, अब हर दिन दिये जाएंगे 10 हजार रुपये

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी यात्रा नीति को सरल बनाया है। बीसीसीआई की मौजूदा यात्रा नीति के अनुसार कर्मचारियों को छोटी अवधि की यात्रा (चार दिन तक) के लिए प्रतिदिन 15,000 रुपये और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं से संबंधित लंबी अवधि की यात्रा के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसमें बदलाव किया गया है। यात्रा के दौरान एकमुश्त आकस्मिक भत्ता 7500 रुपये था पर अब आकस्मिक भत्ते को हटा दिया गया है और कर्मचारियों को अब यात्रा के दौरान प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। आईपीएल का आयोजन दो महीने से कुछ अधिक समय तक होता है, जबकि आईसीसी प्रतियोगिता भी कम से कम एक महीने तक चलती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि कटौती यानी टीडीएस के बाद प्रतिदिन भत्ता 6500 रुपये होता है। नीति में संशोधन किया जा रहा था इसलिए वित्त, संचालन और मीडिया विभाग सहित बीसीसीआई के कर्मचारियों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के लिए उनके दैनिक भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन अब जब नीति तैयार हो गई है तो उनके बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाना चाहिए। सूत्र ने कहा, ''भत्तों के संदर्भ में एक स्पष्ट नीति की आवश्यकता थी, क्योंकि कुछ कर्मचारी टूर्नामेंट के दौरान मुंबई मुख्यालय से संचालन करते हुए भी भत्ते का दावा कर रहे थे। अब जब यह तैयार हो गई है तो बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाएगा।'' अधिक स्पष्टता के लिए एक कर्मचारी जो पूरे 70 दिवसीय आईपीएल के लिए यात्रा कर रहा है वह 10,000 रुपये के दैनिक भत्ते के लिए पात्र होगा, जिसमें कुल दावा राशि सात लाख रुपये होगी।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे।, जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज पर माइकल क्लार्क की बड़ी भविष्यवाणी, यह टीम 3-2 से जीतेगी

लंदन (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज से पहले बड़ी भविष्यवाणी की हैं। क्लार्क के मुताबिक 20 जून से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को भारत 3-2 से अपने नाम करेगा।

क्लार्क ने एक इंटरव्यू में कहा, 'यह 3-2 से होने जा रही है। मैं भारत के साथ जाऊंगा। मैं लॉर्ड्स टेस्ट देखने जा रहा हूं। मैं भारत को खेलते हुए देखने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे 3-2 से जीतें।' उन्होंने आगे कहा, 'खैर, हां, मैं उन्हें एक मौका देता हूं, लेकिन यह उस टीम (इंग्लैंड) से कहीं ज़्यादा अनुभवहीन है जिसकी मुझे इंग्लैंड जाने वाली फ्लाइट में होने की

उम्मीद थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। तो इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए सबसे बुरी बात है। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। कोई रिटायर होता है, और इससे किसी और को मौका मिलता है।'

इंग्लैंड और भारत हेडिंग्ले (लीड्स), एजबेस्टन (बर्मिंघम), लॉर्ड्स (लंदन), ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) और द ओवल (लंदन) में टेस्ट सीरीज खेलेंगे। टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए एक नया युग शुरू हो रहा है क्योंकि आधुनिक समय की दिग्गज टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना अपने पहले दौरे और सीरीज के लिए तैयार है। भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने देश को सफलता की ओर ले जाने और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के लिए चुनौती देने के लिए रोहित से कमान संभाली है।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : फिर जीती हंपी और हरिका सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के चौथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुनः सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है । हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजक्सितान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की ।इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुईं पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की । वहीं उक्रेन की मारिया मुजयचूक नें आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कशिलंस्कया नें जॉर्जिया की नीनों बत्स्श्वली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस नें चीन की तान ज़्होंगाई से ड्रॉ खेला । चार राउंड के बाद हम्पी , हरिका और एलिस 3 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है ।

लुईस की आक्रामक पारी से वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को हराया

जमैका । वेस्टइंडीज ने एक रोमांचक टी20 मुकाबले में आयरलैंड को हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो एविन लुईस रहे जिन्होंने 44 गेंद में 91 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की हार का कारण लियाम मैकार्थी का ओवर रहा जिसमें मैकार्थी ने 4 ओवर में 81 रन दे दिये। इस प्रकार मैकार्थी अपने डेब्यू मैच में ही सबसे महंगे गेंदबाजी बने हैं। वेस्टइंडीज ने इस मैच में आयरलैंड को 62 रन के बड़े अंतर से हराया। इस मैच में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी शुरु की। उसका ये फैसला गलत रहा। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 256 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लुईस ने सबसे अधिक 91 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज ने इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 206.81 रहा। कप्तान शेई होप ने 27 गेंद में 51 रन बनाए। पहला मैच खेल रहे केसी कार्टी ने भी 49 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 6 गेंद में 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मैकार्थी ने चार ओवर में ही 81 रन दे दिये। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में मूसा जोबार्टे गाम्बिया के बाद दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं। मूसा ने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 93 रन लुटा दिये थे। वेस्टइंडीज से मिले कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम लड़खड़ा गयी। रॉस अडायर ने 48, हैरी टेक्टर ने 38 और मार्क अडायर ने 31 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। पूरी आयरिश टीम निर्धारित 20 ओवर में 194 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम, तीन नये खिलाड़ी शामिल

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज से दोनो ही टीमों के नए टेस्ट चैंपियनशिप सर्किल 2025 से 2027 सत्र की शुरुआत होगी। दो मैचों की ये टेस्ट सीरीज 17 जून से शुरु होगी और इसका पहला मुकाबला गाले में खेला जाएगा। इसमें श्रीलंकाई टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा टीम करेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज अंतिम बार श्रीलंका की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। इसके अलावा पसिंदु सूरियाबंडारा, पवन रत्नायके और इसिथा विजेसुंदरा नए चेहरे हैं, जो टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले लाहिरु उदारा और सोनल दिनुषा को भी टीम में जगह मिली है। वहीं अनुभवी खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा को चुना गया है हालांकि वह चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। पहले टेस्ट मैच में सबकी नजरें पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज पर रहेगी। यह उनके टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला होगा। मैथ्यूज ने 2009 में गाले में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और वह श्रीलंका की सफेद जर्सी में उसी स्थान पर संन्यास लेंगे। वहीं बांग्लादेश ने इस महीने की शुरुआत में अपनी टीम की घोषणा की थी जिसमें नजमुल हुसैन शांतो नए डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। बांग्लादेश की टीम श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच गाले में 17 जून से 21 जून के बीच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमें दूसरा टेस्ट के लिए कोलंबो में आमने सामने होंगी। यह मुकाबला 25 जून से 29 जून के बीच खेला जाना है।

श्रीलंका टीम- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, ओशादा फर्नांडो, लाहिरु उदारा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, पवन रत्नायके, प्रभात जयसूर्या, थारिंदु रत्नायके, अकिला धनंजय, मिलन रत्नायके, असिथा फर्नांडो, कसुन रजिता, इसिथा विजेसुंदरा।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज से पहले करुण नायर का खुलासा, बड़े खिलाड़ी ने संन्यास लेने की सलाह दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। नायर को घरेलू क्रिकेट में रन बनाने का इनाम मिला है। लेकिन 33 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वापसी का रास्ता बहुत कठिन और भावनात्मक था और एक समय तो भारत के एक बड़े खिलाड़ी ने उन्हें संन्यास लेकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने की सलाह तक दे डाली थी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व नायर ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय को याद किया।

नायर ने कहा, 'मेरी पत्नी ने कहा कि तुम क्या कर रहे हो, लेकिन मैंने उससे कहा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। वह शायद मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। ऐसा लगा कि मेरी दुनिया खत्म हो गई है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए? मेरा एक परिवार है और मेरे बेटे का हाल ही में जन्म हुआ है। नायर भावुक हो गए।'

करुण ने एक रिपोर्ट में कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन किया और कहा कि आपको संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीगों में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित बनाएगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे के बावजूद मैं इतनी आसानी से संन्यास लेने के लिए खुद को कोसता।'

इसके बाद नायर ने ट्वीट करते हुए एक और मौका मिलने की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फिर नायर को विदर्भ में शामिल किया गया जहां उन्होंने अपने करियर को बदल दिया।

वास्तविकता से निपटने के लिए संघर्ष करते हुए नायर अपनी पत्नी के जन्मदिन पर रो पड़े। उन्होंने कहा, 'मैं भारत के लिए दोबारा खेलना कभी नहीं छोड़ने वाला था। यह दो साल पहले की बात है और देखिए कि हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी अच्छा हूं।'

करुण नायर ने आगे कहा कि वह मैचों की संख्या या दीर्घकालिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जो मायने रखता है वह यह है कि मैं फिर से भारतीय टीम की कैप पहनने का आनंद उठा पाऊं। इससे पहले मैं अपने मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाया था। इस बार मैं एक बार में एक मैच में अपना पूरा योगदान देना चाहता हूं।'

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज़्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज़ नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी , विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश किया, यूपी में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगौन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। बीते साल यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून का प्रवेश 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है। वहीं यूपी के जौनपुर में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की जान गई। गोरखपुर और ललितपुर में 2-2 लोगों की मौत हुई है। बरेली में तेज बारिश और बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं ने लोगों के साथ-साथ प्रशासन को भी सतर्क किया है। वहीं 17 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, विदर्भ, पूर्वी मध्यप्रदेश, गुजरात सौराष्ट्र, बिहार, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। ओडिशा, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जून को गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

अमरोहा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, चार महिलाओं की मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा के गांव अतरासी कलां में खेतों के बीच संचालित पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर तेज धमाका हुआ। पूरी फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई। दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस-प्रशासनिक और दमकल टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को करीब 11:45 बजे अतरासी कलां में संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरी पटाखा फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। धमाके की आवाज सुन ग्रामीणों के बीच भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव का कार्य शुरू किया। अब तक हादसे में चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली है। वहीं हादसे से दर्जनों लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया हे। यहां उनका इलाज शुरू हो गया है। अमरोहा पुलिस के मुताबिक, पटाखा फैक्ट्री लाइसेंसी थी। लाइसेंस धारक सैफउर्रहमान पुत्र केसर अहमद निवासी हापुड़ चला रहा था। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से चार महिलाओं की मौत हुई है। जबकि छह महिलाएं जख्मी हो गई हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों की पड़ताल की पड़ताल की जा रही है।

सास, ससुर और सालों से परेशान युवक पहुंचा थाने, पत्नी नहीं सुनती

देवबंद, (एजेंसी)। ससुराल पक्ष द्वारा चार लाख रुपये की मांग करने और पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी से परेशान दामाद ने पुलिस से मदद मांगी है। गांव बचीटी निवासी ग्रामीण ने सास, ससुर और अपने दो सालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बचीटी निवासी मोहतशिम पुत्र अलीजान ने कहा है कि करीब पांच वर्ष पूर्व उसका निकाह कुटेसरा गाव निवासी मुस्कान पुत्री यासीन से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग प्रताड़ित करते चले आ रहे हैं और उसकी पत्नी भी अपने स्वजन के कह अनुसार काम करती है। बीती पांच जून को उसका ससुर यासीन, सास महकारा और उसके साले फरमान व नोमान ने घर आकर उसके परिजनों के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि अब उसका ससुर यासीन उससे चार लाख रुपये मांग रहा है और न देने पर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रहा है। जिससे वह और उसका परिवार डरा हुआ है।

बिहार के बेतिया में चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बेतिया (एजेंसी)। नगर के वार्ड चार स्थित हनुमंतनगर से अतिक्रमण हटाया गया। सोमवार को नगर निगम की टीम पूरी तैयारी के साथ जेसीबी लेकर हनुमंतनगर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई। बुलडोजर एक्शन से देखते ही देखते अतिक्रमण कर बनाए गए दुकान और घरों को जमींदोज किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। हालांकि अतिक्रमण हटाने के दौरान एक दो महिलाओं ने हल्का विरोध किया, लेकिन टीम पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। महिला पुलिस ने विरोध कर रही महिलाओं को नियंत्रित कर लिया। अतिक्रमण हटाने गए टीम के सदस्यों ने बताया कि 15 घरों को तोड़ा गया है। निगम के कड़ा तेवर को देखकर लोगों ने एक दिन पहले ही अतिक्रमण का बड़ा हिस्सा हटा लिया था। बताया जाता है कि हनुमंतनगर में नगर निगम द्वारा सड़क का निर्माण होना है। इस पथ पर अतिक्रमण के कारण कार्य शुरू नहीं हो सका है। करीब दो माह पूर्व नगर निगम की ओर से 15 अतिक्रमणकारियों को चिंहित किया गया था। अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें नोटिस दिया गया है, लेकिन नोटिस के बाद भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला जत्था सिक्किम्म की राजधानी गंगटोक पहुंचा

नई दिल्ली(एजेंसी)। पांच साल बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हुई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत-चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होकर कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने वाले है।

एलओसी पर बाड़बंदी को लेकर एडीईओ ने कर्नल पर किया हमला, वीडियो वायरल

– यूजर ने लिखा– यह न केवल एक अधिकारी पर हमला बल्कि सेना का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर बाड़बंदी के प्रोजेक्ट को लेकर हुआ विवाद अब बढ़ गया है। इस विवाद में सहायक रक्षा संपदा अधिकारी (एडीईओ) त्रियाम सिंह ने भारतीय सेना के कर्नल अंकुश चौधरी पर हमला कर दिया। यह घटना 12 जून की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक त्रियाम सिंह ने बाड़बंदी प्रोजेक्ट के लिए जरूरी बोर्ड प्रोसीडिंग्स पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसने न केवल रक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए है बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों को भी हवा दे दी।

जवाब में कर्नल चौधरी के सिख सैनिकों ने एकजुटता दिखाते हुए त्रियाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने इस मामले को और गरमा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल अंकुश चौधरी इस बाड़बंदी प्रोजेक्ट के प्रभारी थे। उन्होंने त्रियाम सिंह से प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह प्रोजेक्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद और भी अहम माना जा रहा है। इस हमले के बाद एलओसी पर बाड़बंदी को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है।

त्रियाम सिंह ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और बहस के दौरान कर्नल चौधरी पर शारीरिक हमला कर दिया। इस घटना ने सैनिकों में गुस्सा भड़का दिया और इंजीनियर रेजिमेंट के सिख सैनिकों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सैनिकों की यह प्रतिक्रिया साफ दिखाई दे रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ गुस्सा निकाला। एक यूजर ने लिखा कि यह न केवल एक अधिकारी पर हमला है, बल्कि उन सभी सैनिकों का अपमान है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि एडीईओ भाग्यशाली थे कि जवान वहां मौजूद नहीं थे, वरना कहानी कुछ और होती। सैन्य दिग्गजों ने भी इस घटना की निंदा की है। एक अन्य ने एक्स पर लिखा सैनिकों के लिए उनका कमांडिंग ऑफिसर भगवान के समान होता है।

कई लोगों ने डीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक पोस्ट में दावा किया गया कि डीईओ अक्सर प्रोजेक्ट्स को रिश्वत के लिए रोकता है। इस घटना ने मार्च 2025 में पंजाब के पटियाला में हुई एक अन्य घटना की याद दिला दी, जिसमें कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे पर पंजाब पुलिस के कर्मियों ने हमला कर दिया था। उस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। एलओसी पर बाड़बंदी का यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, खासकर हाल के आतंकी हमलों के बाद। बाड़बंदी प्रोजेक्ट का उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और सीमा पर सुरक्षा

को और मजबूत करना है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रक्षा मंत्रालय के अंदर भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोजेक्ट्स को भी प्रभावित कर रहा है? त्रियाम सिंह के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। सैनिकों की प्रतिक्रिया को कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता करार दिया, जबकि अन्य ने इसे अपने कमांडर के प्रति वफादारी का प्रतीक बताया है।

अब तक 465764 श्रद्धालु ने मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेका

कटरा। ,(ईएमएस)। जून माह के प्रथम पखवाड़े तक 465764 श्रद्धालु अब तक मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेक चुके हैं। चूंकी वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा जोर-शोर से चल रही है, इस कारण मां वैष्णो देवी भवन परिसर जहां तक की आधार शिविर कटड़ा श्रद्धालुओं से गुलजार है हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल पहल लगातार बनी हुई है। बीती शाम से बदले मौसम का रंग सोमवार को भी दिन भर देखने को मिला, क्योंकि दिन भर एक और जहां आसमां के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा, वहीं दूसरी और ठंडी हवाओं के साथ बीच-बीच में हल्की बारिश का भी सामना श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान करना पड़ा। वर्तमान में मौसम पूरी तरह से सुहावना बना हुआ है। मौसम में हुए बदलाव के साथ ही हो रही हल्की बारिश को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, के साथ ही श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं और लगातार मां वैष्णो देवी की यात्रा पर नजर रखे हुए हैं ताकि मां के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा जैसी सुविधाएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रही है। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में बदले मौसम के कारण प्रभावित हुई। वहीं श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवा भी लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए निरंतर मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं।

दामाद के बाद संजय झा की बेटियों को लेकर नीतीश पर हमलावार तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान और जीतनराम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड में अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल के मनोनयन के बाद विपक्ष नीतिश सरकार पर हमलावार है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश की सरकार को जमाई आयोग का गठन हुआ। अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की बेटियों को सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील बनाने पर सवाल उठा दिया है।

आरजेडी के सोशल मीडिया खाते से केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी पोस्ट करके दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों की हकमारी पर सवाल उठाया गया है। कानून मंत्रालय के 9 अक्टूबर 2024 के आदेश के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से केस लड़ने के लिए

संजय झा की बेटियों अद्या झा और सत्या झा की सेवा तीन साल के लिए ली गई है। कानून की पढ़ाई कर चुकी दोनों बेटियों की सेवा वकीलों के ग्रुप ए पैनल में ली गई है। बात दें कि केंद्र और राज्य सरकारें जिला से सुप्रीम कोर्ट तक वकीलों की सेवा लेती है, इसके लिए पैनल में नाम होना चाहिए। जिल स्तर पर पीपी व एपीपी की सेवा भी इसी तरह ली जाती है।

राजद ने आरोप लगाया है कि जेडीयू नेता संजय झा की दोनों बेटियों को कोई विशेष अनुभव नहीं है। राजद ने पूछा है कि जदयू के कितने दलित, पिछड़े और अति पिछड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों या कार्यकर्ताओं के बेटे-बेटियों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि बिना अनुभव यह उपलब्धि प्राप्त कर लें।

पहलगाम आतंकी हमले पर टीएमसी सांसद बनर्जी के मोदी सरकार से सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले पर मोदी सरकार से 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि हमले को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन सरकार ने बॉर्डर सेफ्टी, इंटेलिजेंस, विदेश नीति, मीडिया और ज्यूडिशियरी के सवालों पर जवाब नहीं दिया।

टीएमसी सांसद बनर्जी ने कहा कि विपक्ष, मीडिया और ज्यूडिशियरी ने भी इन सवालों को नहीं उठाया। यह लोकतंत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते, मैं भारत सरकार के सामने 5 सवाल रखता हूं।

उन्होंने पूछा कि पहलगाम हमला नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक था, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। अगर सुरक्षा तंत्र फेल हुआ, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार क्यों दिया गया।

सरकार पेगासस जैसे जासूसी टूल का इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पहलगाम के हमलावर जिंदा है या मारे गए।

आतंकवादी सीमा में कैसे घुसे- हथियारों से लैस 4 आतंकवादी भारतीय सीमा में कैसे घुसे और 26 लोगों की जान कैसे चली गई? यह नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक थी। विफलता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

आईबी चीफ का कार्यकाल क्यों बढ़ाया- अगर हमला सुरक्षा में चूक के कारण हुआ था, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार हुआ। हमले के एक महीने बाद ही उन्हें इनाम क्यों दिया गया? उन्हें जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया गया?

अगर मोदी सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों पर जासूसी टूल पेगासस चला सकती है, तब आतंकियों पर इसका इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा है?

पहलगाम हमले में शामिल 4 आतंकियों का क्या हुआ? वे मारे गए या अभी जिंदा हैं? अगर मारे गए हैं, तब मोदी सरकार ने स्पष्ट बयान क्यों नहीं दिया? और अगर नहीं मारे गए, तब चुप्पी क्यों?

टीएमसी सांसद ने लिखा कि बीते 10 साल में विदेश मामलों पर 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। देश की जनता पारदर्शिता, जवाबदेही और नतीजे चाहती है, न कि चुप्पी और बहाने।

बिहार की जनता से पीके की अपील, लालू, नीतीश और पीएम मोदी को देखा...अब एक मौका मुझे दें

पटना। बिहार के लोगों से बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए। मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित कर पीके ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने बीते 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी जन सुराज बनाई है...आपने लालू प्रसाद, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, जन सुराज होना चाहिए। इसके पहले प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने कहा कि बीते 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं। उनके पास न कोई विजन है और न ही वे समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं। वे सिर्फ जाति के आधार पर लोगों को बांटकर राजनीति करना चाहते हैं।

हज यात्रियों से भरे विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं, टल गया बड़ा हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचा विमान बड़े हादसे का शिकार होते होते बच गया। गनीमत रही कि विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं को देखते ही सभी चीजों को नियंत्रित कर लिया गया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इस विमान में 250 हज यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे, जो जेद्दा से लखनऊ पहुंचा था। सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं, और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6:30 बजे सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 ने लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। लैंडिंग के बाद टैक्सी वे पर जाते समय विमान के पहिए से अचानक चिंगारी और धुआं निकलने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए विमान को रोक दिया, जिससे एक संभावित हादसा टल गया।

एयरपोर्ट की फायर टीम को तत्काल सूचना दी गई, और करीब 20 मिनट की

मशक्कत के बाद स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में रिसाव (लीकेज) के कारण यह खराबी आई थी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि अगर यह खराबी टेकऑफ के दौरान हुई होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट की आपातकालीन टीम की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े हादसे को रोक दिया। विमान में सवार सभी 250 हज यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया और उनकी सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सऊदिया एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी की वजह से लैंडिंग के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद विमान में सवार हज यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल रहा। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत यात्रियों को शांत किया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में हुए विवाद के बाद दोनों हुए अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में आपसी मतभेद हो गया है। इसके चलते दोनों अलग अलग हो गए है। बताया जा रहा है कि दोनों ने अब साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। फिलहाल, इसे लेकर पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे में बड़े गैंगस्टर्स को ट्रैक कर रही राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की चिंता बढ़ सकती है। दोनों का नाम पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई मामलों में आ चुका है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों गैंगस्टर्स के कई सहयोगियों से पूछताछ के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने पाया है कि बिश्नोई और बराड़ ने साथ काम करना बंद कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि अपराध जगत में शुरुआती दिनों में लॉरेंस ने बराड़, काला राणा और अन्य

लोगों के साथ मिलकर टीम तैयार की थी। उन्होंने कहा, बाद में बिश्नोई ने एक बिजनेस मॉडल बनाया जिसमें यूपी (धनंजय सिंह), पंजाब (जग्गू भगवानपुरिया), हरियाणा (काला जठेड़ी), राजस्थान (रोहित गोदारा) और दिल्ली (रोहित मोई और हाशिम बाबा) के गैंगस्टर्स शामिल थे।

दोनों गैंगस्टर्स ने साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। गोल्डी ने अजरबैजान में बैठे रोहित गोदारा के साथ काम शुरू किया है। वहीं, बिश्नोई अब कनाडा के नोनी राणा के साथ है। यह दरार और नए सिंडिकेट अब राज्यों की पुलिस की चिंता बढ़ा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस मुद्दे पर हाल ही में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एनआईए के साथ बात की थी।

अमेरिका में भाई अनमोल बिश्नोई का केस संभालने को लेकर लॉरेंस, गोल्डी और गोदारा से नाराज है। सूत्रों ने कहा, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि बराड़ और गोदारा ने जरूरी बेल बॉन्ड दाखिल करने में अनमोल की मदद नहीं की। अनमोल को बाद में रिहा कर दिया गया, लेकिन पैर में ब्रेसलेट टैकर पहनाया गया है। सूत्रों ने बताया है कि पुलिस को पता चला है कि बीते कुछ महीनों से नोनी राणा अमेरिका से कॉल कर बिश्नोई के नाम पर वसूली कर रहा है। नोनी राणा हरियाणा के यमुनानगर के कुख्यात गैंगस्टर काला राणा का छोटा भाई है।

फ्लाइट्स पर लगा ग्रहण.... बीते 24 से 48 घंटे में तीन फ्लाइट वापस लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315, जो हांगकांग से दिल्ली जा रही थी, उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के बाद हांगकांग लौट आई। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित हो रही थी।

भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन रविवार को बीच रास्ते से टेकऑफ एयरपोर्ट पर लौट आए। इसमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों फ्लाइट की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। वहीं, लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके कारण प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा।

इधर, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी-3112 की लैंडिंग के दौरान पहिए से चिंगारी और धुआं निकलने लगा। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई से जयपुर आने वाली फ्लाइट को 5 घंटे से ज्यादा समय तक बिना एयर कंडीशनर (एसी) के बैठाए रखा गया। इन दोनों घटनाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 के पायलट को हांगकांग से दिल्ली आते समय हवा में किसी तकनीकी गड़बड़ी का शक हुआ, जिसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखकर फ्लाइट को लौटाने का फैसला लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। फ्लाइट ने दोपहर 1.16 बजे टेकऑफ किया और एयरपोर्ट लौटने से पहले करीब दो घंटे तक हवा में रही। फ्लाइट एयरपोर्ट लौटने से पहले कई होल्डिंग पैटर्न में रही।

वहीं जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट को उड़ान के बाद वापस फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट लौटना पड़ा। यह फ्लाइट सोमवार (16 जून) सुबह हैदराबाद लैंड करने वाली थी। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने बताया, हमें हैदराबाद में लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। वहीं हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि 15 जून की शाम 6:01 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को एक बम धमकी भरा

ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी बनाई गई और सभी सुरक्षा प्रक्रिया एसओपी के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने बताया, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को सलाह दी गई कि फ्लाइट को या तो वापस जर्मनी भेज दिया जाए या नजदीकी सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा जाए। इसके बाद फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट वापस लौटा दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीन-यूरोप एक्सप्रेस बनी बेल्ट एंड रोड पहल की रीढ़, विश्व कनेक्टिविटी को मिल रही गति

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन च्येन ने एक नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कनेक्टिविटी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन व्यापक परामर्श, संयुक्त निर्माण और साझा लाभ वाले सिद्धांतों का पालन करता रहेगा, जिससे वह वैश्विक कनेक्टिविटी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति बना रहेगा। चीन का लक्ष्य अपने स्वयं के विकास से दुनिया को लाभ पहुंचाना और सभी पक्षों के लिए जीत-जीत परिणाम हासिल करना है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, चीन-यूरोप एक्सप्रेस ने पिछले कुछ वर्षों में 1.1 लाख ट्रेनों का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें 4.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का कार्गो मूल्य है। कई टिप्पणीकारों का मानना है कि चीन-यूरोप एक्सप्रेस मार्ग से जुड़े देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग के लिए यह एक एक्सलेटर बन गया है। लिन च्येन ने बताया कि चीन-यूरोप एक्सप्रेस बेल्ट एंड रोड पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वर्तमान में, चीन के 128 शहरों से चीन-यूरोप एक्सप्रेस सेवाएं शुरू हो चुकी हैं, जो 26 यूरोपीय देशों के 229 शहरों और 11 एशियाई देशों के 100 से अधिक शहरों तक पहुंचती हैं। औसतन हर आधे घंटे से भी कम समय में एक ट्रेन रवाना होती है, जो इस नेटवर्क की दक्षता को दर्शाता है। चीन-यूरोप एक्सप्रेस कुशलतापूर्वक, स्थिर और सुचारू रूप से संचालित होती है, न केवल एशिया और यूरोप के बीच आर्थिक और व्यापारिक आदान-प्रदान के लिए एक सेतु का निर्माण करती है, बल्कि मार्ग के साथ-साथ आने वाले देशों में विकास की गति को भी बढ़ाती है।

शी जिनपिंग ने यूनाइटेड किंगडम के राजा चार्ल्स तृतीय को संवेदना संदेश भेजा

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान में ब्रिटेन के नागरिकों की मौत पर यूनाइटेड किंगडम के राजा चार्ल्स तृतीय को संवेदना संदेश भेजा। शी चिनफिंग ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि एयर इंडिया का यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें आपके देश के नागरिक भी मौजूद थे। चीनी सरकार और जनता की ओर से मैं पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं, पीड़ितों और घायलों के परिवारों के प्रति सच्ची सहानुभूति व्यक्त करना चाहता हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। चीनी प्रधानमंत्री ली छ्यांग ने भी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को संवेदना संदेश भेजा।

बेजोस के लिए कोई जगह नहीं; अरबपति कारोबारी की शादी के खिलाफ हैं वेनिस के लोग?

वेनिस , एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर पूर्व टीवी पत्रकार लॉरेन सांचेज जून के अंत (24 से 26 जून) के बीच वेनिस में शादी करने जा रहे हैं। हालांकि शादी की तारीख और जगह को बेहद गोपनीय रखा गया है, लेकिन वेनिस में तैयारियों से लोगों को अंदेशा हो गया है कि कुछ बड़ा होने वाला है। लेकिन इस भव्य शादी को लेकर वेनिस के कई स्थानीय लोग और कार्यकर्ता नाराज हैं। उनका कहना है कि पहले से ही भीड़भाड़ और पर्यटकों की वजह से परेशान शहर को ये हाई-प्रोफाइल शादी और थका देगी। मामले में स्थानीय एक्टिविस्ट्स ने नो स्पेश फोर बोजोस नाम से विरोध अभियान शुरू किया है। सान जॉर्जियो द्वीप की चर्च की मीनार पर नो स्पेश फोर बोजोस का बैनर भी लगाया गया। प्रदर्शन की आयोजक फेडेरिका टोनीनेलो ने दावा किया कि शादी ला मिसेरीकोर्डिया नामक इवेंट हॉल में हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बेजोस वहां तक नहीं पहुंच पाएगा। हम रास्तों को अपने शरीरों से रोकेंगे, नहरों को नावों और लाइफसेवर्स से जाम कर देंगे। साथ ही एक और प्रदर्शनकारी ना हैबी स्टेला फे ने कहा कि हमारे पास एक 10 मिलियन डॉलर की शादी को रोकने का मौका है, हमें ये करना चाहिए। वहीं वेनिस के विपक्षी नेता जियोवानी आंद्रेया मार्टिनी ने कहा कि यह शादी वेनिस के डिज़्नीफिकेशन (पर्यटन के लिए असली शहर को शोपीस बना देना) का चरम उदाहरण है। उनका कहना है कि आम वेनिस वासियों को इससे कोई लाभ नहीं होगा, बल्कि यह असुविधा ही लाएगा। तेज होते विरोध प्रदर्शन के बीच वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुग्नारो बोजोस के समर्थन में सामने आए है। उन्होंने विरोध करने वालों को शर्मनाक बताया। साथ ही दावा किया कि शादी से शहर को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, सिर्फ 200 मेहमान आमंत्रित होंगे, इसलिए शहर की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत ने नेपाल को दीं 40 एंबुलेंस

काठमांडो, एजेंसी। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को नेपाल के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों को 40 एंबुलेंस उपहार स्वरूप दी। इससे सात राज्यों के 33 जिलों के लोगों को सेवा मिलेगी। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा, 22 एंबुलेंस काठमांडो, बीरगंज और पोखरा में 7-7 और धरान में 4 एंबुलेंस मुहैया कराई गई। काठमांडो में आयोजित समारोह में वाहनों की चाबियां भारतीय दूतावास के उप प्रमुख प्रसन्ना श्रीवास्तव द्वारा सौंपी गईं। उप प्रमुख ने कहा कि एंबुलेंसों का उपहार देना नेपाल-भारत विकास साझेदारी के तहत भारत सरकार की दीर्घकालिक पहलों में से एक है, जिसका उद्देश्य नेपाल सरकार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों को बढ़ावा देना है।

इजराइल का ईरानी रक्षा मंत्रालय पर हमला: तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो पर बमबारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल ने शनिवार देर रात एक बार फिर से एक दूसरे पर कई मिसाइलें दागी। दोनों देशों के बीच बीते 48 घंटे से संघर्ष जारी है। इजराइल का दावा है कि उसने तेहरान में मौजूद रक्षा मंत्रालय को निशाना बनाया है। इसके अलावा तेहरान और बुशहर में ऑयल डिपो और गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को हिट किया। दो दिन की लड़ाई में अब तक 138 ईरानी मारे जा चुके हैं, जिनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। इसके अलावा 350 से ज्यादा घायल हैं। ईरान की राजधानी तेहरान समेत 7 राज्यों में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं। हमले में इजराइल के 13 लोग मारे जा चुके हैं और 300 से ज्यादा घायल हैं। ईरान ने 3 इजराइली स्र-35 विमान गिराने का भी दावा किया है।

इजराइल में 2 और शव बरामद, आज मौत का आंकड़ा 10 पहुंचा : राजधानी तेल अवीव में ईरान के हमले में मारे गए 2 और लोगों के शव बरामद हुए हैं। इसके साथ ही रविवार को मौत का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इसके अलावा 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 7 लोग अभी भी लापता हैं। इजराइल में अब तक

ईरानी हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है और 300 से ज्यादा घायल हैं।

इजराइली सेना ने ईरान में मिसाइल लॉन्चरों पर हमला किया : इजराइली सेना ने पश्चिमी ईरान में मिसाइल स्टोरेज और लॉन्चरों को निशाना बनाया। सेना ने इन हमलों का एक वीडियो भी जारी किया है। ट्रम्प बोले- ईरान और इजराइल की लड़ाई आसानी से रोक सकते हैं ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान और इजराइल के बीच समझौता कराकर इस लड़ाई को आसानी से रोक सकते है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा- अमेरिका का ईरान पर हुए हमले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान किसी भी तरह से अमेरिका पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना पूरी ताकत के साथ जवाब देगी। ईरान के हमले में इस्त्राइल को भारी नुकसान, मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 10 हुआ ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों से किए गए हमले में इस्त्राइल को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा है। इस्त्राइल में कई मकान हमले में तबाह हो गए हैं और अब मृतकों का आंकड़ा भी बढ़कर 10 हो गया है। बेत याम इलाके में ईरानी हमले के बाद सात लोग लापता हैं और उनके मलबे में दबे होने की आशंका है। इस्त्राइल के ईरान पर हमले में 100 स ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मृतकों में ईरान के दो परमाणु वैज्ञानिक और कई शीर्ष सैन्य कमांडर भी शामिल हैं। इस्त्राइल ने यमन मे भी किए हमले; ईरानी हमले में मरने वालों का आंकड़ा 10 हुआ शुक्रवार को इस्त्राइल के ईरान के कई परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद से दोनों देशों में संघर्ष जारी है। इसके चलते पश्चिम एशिया में तनाव और गहराता जा रहा है। दोनों देशों ने तीसरी रात भी एक दूसरे प हवाई हमले जारी रखे हैं। इस संघर्ष में अब तक दर्जनों लोग मारे जा चुके हैं और इस संघर्ष का फिलहाल कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को भी इस्त्राइली हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और इस्त्राइल पर सैंकड़ों मिसाइलों से हमला बोला। हमले के बाद इस्त्राइल में भी नुकसान हुआ है और कई लोग घायल हुए हैं। इस्त्राइल के ईरान में हमलों से जहां उसके परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है वहीं 20 बच्चों सहित कम से कम 80 लोग मारे गए हैं। वहीं इस्त्राइल में चार लोग मारे गए हैं। साथ ही दोनों पक्षों में जारी हमलों में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। अमेरिका की स्थिति पर संशय इस्त्राइल के ईरान पर हमले में अमेरिकी की संलिप्तता को लेकर संशय की स्थिति है। दरअसल अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका हमले में शामिल नहीं है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस्त्राइल के हवाई हमले के बारे में पहले से जानकारी थी। भारत के पूर्व राजदूत महेश सचदेव का कहना है कि अमेरिका के बयानों में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल का ईरान पर हमला बड़ी सफलता है और इससे अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में अमेरिका ज्यादा शर्त लगा सकेगा। इस्त्राइल ने रविवार को यमन में भी हवाई हमले किए।

मैं जल्द मर सकता हूं, मिनेसोटा गोलीबारी के आरोपी ने अपने दोस्त को किया था ये मैसेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिनेसोटा में हुई गोलीबारी के आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। संदिग्ध आरोपी की पहचान वेंस लूथर बोएलटर के रूप में हुई है। 57 वर्षीय वेंस बोएलटर पर ही मिनेसोटा के राज्य विधायक मेलिसा होर्टमैन और उनके पति की हत्या और स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर गोली चलाने का आरोप है।

आरोपी ने अपने दोस्त को किया था मैसेज : पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ग्रे रंग की काउबॉय हैट पहने हुए था। एफबीआई ने आरोपी की जानकारी देने वाले को 50 हजार डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। बोएलटर के दोस्त रहे डेविड कार्लसन (59 वर्षीय) ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले वे दोनों एक ही घर में रहते थे और दोनों करीब एक साल तक साथ रहे। शुक्रवार की रात उसने आखिरी बार बोएलटर को देखा था और शनिवार सुबह 6 बजे उसके पास बोएलटर का एक मैसेज आया था। इस मैसेज में बोएलटर ने लिखा कि वह शायद जल्द मरने वाला है। कार्लसन ने इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। जांच में पता चला है कि बोएलटर को साल 2016 में गवर्नर की वर्कफोर्स डेवलेपमेंट बोर्ड में नियुक्ति हुई थी। ये वोर्फोर्स बोर्ड ही मिनेसोटा के गवर्नर को सलाह देता है। बोएलटर द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

राजनीतिक दुश्मनी की आशंका भी नहीं : अभी तक की जांच में पता चला है कि बोएलटर किसी भी राजनीतिक पार्टी का कट्टर समर्थक नहीं था। ऐसे में राजनीतिक दुश्मनी की बात भी गले नहीं उतर रही है। कार्लसन ने बताया कि बोएलटर ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को वोट किया था और वह भी गर्भपात विरोधी था, लेकिन वह किसी राजनीतिक मुद्दे को लेकर बिल्कुल गुस्से में नहीं था। बोएलटर पूर्व में एक सिक्योरिटी कंपनी का मालिक था, लेकिन हाल के दिनों में बेरोजगार था। एक महीने पहले बोएलटर ने लिंकडन पर लिखा था कि वह फूड इंडस्ट्री में नौकरी की तलाश में है और टेक्सास, मिनेसोटा, फ्लोरिडा और वॉशिंगटन डीसी में काम कर सकता है।

गो फंड मीः ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की पहल, अहमदाबाद विमान हादसे में अनाथ बच्चियों की मदद को जुटा रहे फंड

लंदन, एजेंसी। लंदन में रह रहे भारतीय समुदाय ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के ब्रिटेन स्थित परिवार वालों की सहायता के लिए पैसे जुटाने के लिए एकजुटता दिखाई है। इसमें दो अनाथ बच्चों के लिए तत्काल सहायता भी शामिल है। दुर्घटना के 241 पीड़ितों में से एक अर्जुन पटोलिया अपनी पत्नी भारती की इच्छा पूरी करने के लिए उनकी अस्थियों को विसर्जित करने गुजरात आए थे। उनके दोस्तों और परिवार ने शुक्रवार को उनकी दो बेटियों की आर्थिक सहायता के लिए एक ऑनलाइन गो फंड मी अभियान शुरू किया। पहले दिन ही लक्ष्य का आधे से अधिक धन जुटा लिया है। अर्जुन की कंपनी इंस्पायर्ड एलिमेंट्स के विनोद खिमजी ने कहा, 18 दिनों में दो छोटी बहनों (चार और आठ साल की) ने माता-पिता को खो दिया। जुटाई गई राशि कानूनी ट्रस्ट में रखी जाएगी या उनकी बेटियों की शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए उनके नियुक्त कानूनी अभिभावकों द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। इंग्लैंड के नॉर्थम्प्टन निवासी अबधी पटेल के परिवार के लिए भी इसी तरह का प्रयास शुरू किया गया है। उनके पति पंकज और आठ वर्षीय बेटे मीर पटेल के मदद के लिए रकम जुटाई गई है। भारत में ब्रिटिश उच्चायोग ने अहमदाबाद हवाईअड्डे के पास सहायता केंद्र खोला है।

ईरान-इसराइल तनाव के बीच ओमान में परमाणु वार्ता रद्द

ओमान, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी उथल-पुथल के बीच ईरान और इसराइल के बीच बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालिया घटनाक्रम में ओमान में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता रद्द कर दी गई है। यह वार्ता संभावित रूप से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर किसी समझौते की दिशा में एक अहम क़दम हो सकती थी, लेकिन इसराइल और ईरान के बीच सैन्य धमकियों और कार्रवाई के बीच इसकी संभावनाएं ध्वस्त हो गई हैं। क्या हुआ वार्ता के साथ?

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने घोषणा की कि रविवार (15 जून 2025) को मस्कट में होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता अब नहीं होगी। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखाः इस रविवार को मस्कट में होने वाली ईरान-अमेरिका वार्ता अब नहीं होगी। लेकिन कूटनीति और बातचीत ही स्थायी शांति का एकमात्र रास्ता है। यह वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने और प्रतिबंधों में राहत के बदले ईरान की जवाबदेही तय करने के अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा थी। ओमान अब तक दोनों देशों के बीच एक शांतिपूर्ण पुल का कार्य करता रहा है। परंतु मौजूदा स्थिति में यह संवाद अब स्थगित हो गया है।

तनाव की वजह क्या बनी?

1. इसराइल की धमकी और सैन्य कार्रवाई : इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने सीधे तौर पर ईरान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा :

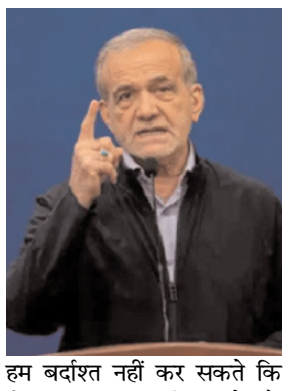

हम बर्दाश्त नहीं कर सकते कि ईरान 20 हज़ार मिसाइलों के उत्पादन की क्षमता विकसित करे। हमने उनकी उत्पादन क्षमता को बर्बाद करने के लिए कार्रवाई की है। नेतन्याहू का यह बयान साफ इशारा करता है कि इसराइल ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को क्षेत्रीय और वैश्विक खतरे के रूप में देखता है। इसके अलावा उन्होंने एक बड़ा दावा भी किया : बहुत जल्द आप तेहरान के आसमान में इसराइली विमान, इसराइली वायुसेना और हमारे पायलटों को देखेंगे। यह एक प्रत्यक्ष चेतावनी है - कि इसराइल ईरान की राजधानी तक हवाई हमले कर सकता है।

2. ईरान की प्रतिक्रिया : ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से फ़ोन पर बातचीत के दौरान कहाः ज़ायनिस्ट आक्रामकता जारी रही तो ईरानी सशस्त्र बल और कठोर तथा शक्तिशाली जवाब देंगे। यह बयान ईरान की डिटरेंस पॉलिसी यानी 'आक्रामक रोकथाम' रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पेज़ेश्कियान के तेवरों से साफ है कि ईरान अब पीछे हटने को तैयार नहीं है। कूटनीतिक विश्लेषणः क्या परमाणु वार्ता फिर से शुरू होगी? परमाणु वार्ता का रद्द होना अमेरिका-ईरान संबंधों में एक और गिरावट है। यह वार्ता 2015 के जेसीपीओए की संभावित बहाली की दिशा में एक कदम मानी जा रही थी। लेकिन अब : अमेरिका में चुनावी माहौल गरम है; इसराइल-ईरान युद्ध की आशंका गहराती जा रही है; और ईरान की नई सरकार राष्ट्रीय सम्मान को प्राथमिकता दे रही है। इन सब कारणों से निकट भविष्य में औपचारिक परमाणु वार्ता का दोबारा शुरू होना बेहद मुश्किल दिखता है।

राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, कई शहरों में फैला विरोध प्रदर्शन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ देश में विरोध प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत कैलिफोर्निया राज्य के लॉस एंजिलिस से हुई थी। अब यह विरोध प्रदर्शन कई शहरों तक फैल चुका है। शनिवार को फिलाडेल्फिया में सैंकड़ों की संख्या में लोग ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के खिलाफ नारेबाजी भी की। विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों का कहना है कि देशभर में सैंकड़ों आयोजनों में लाखों लोग शामिल हुए हैं।

लॉस एंजिलिस में हुए थे दंगे : बीते हफ्ते अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अमेरिका के आव्रजन विभाग ने छापेमार कार्रवाई की थी और कई अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया था। इसके खिलाफ लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती का आदेश दिया, जिससे लोग और नाराज हो गए और शहर में जगह-जगह दंगे और आगजनी शुरू हो गई। अब भी लॉस

एंजिलिस में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि फिलहाल हालात सामान्य हैं। न्यूयॉर्क, डेनवर, शिकागो, ऑस्टिन में भी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

वॉशिंगटन समेत कई शहरों में हुए विरोध प्रदर्शन : मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में ड्रम लेकर डांस करते दिखे और प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप विरोधी नारे लगाए। अटलांटा में भी करीब पांच हजार लोग एक कार्यक्रम में शामिल हुए। शनिवार को ट्रंप वॉशिंगटन में आयोजित हुई मिलिट्री परेड में शामिल हुए। आर्मी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर इस परेड का आयोजन किया गया। वॉशिंगटन में भी करीब 200 लोगों ने लोगन सर्किल में ट्रंप के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के बड़े-बड़े कटआउट बनाए हुए थे। वर्जीनिया में तो प्रदर्शनकारियों को एक एसयूवी ने टक्कर भी मार दी, जिसमें 21 साल का एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने हमें राजा नहीं चाहिए और मिनी मुसोलिनी को निर्वासित करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे यहां हैं।

बांग्लादेशः निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा में व्यापारी और निवेशक, भरोसा नहीं जीत पाई अंतरिम सरकार?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश का व्यापारिक समुदाय और निवेशक देश में स्थिरता और उनके हित में स्थायी नीतियों के लिए एक निर्वाचित सरकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बांग्लादेश परिधान निर्माता व निर्यातक संघ (बीजीएमईए) ने कहा है कि अंतरिम सरकार के दौरान देश में कोई भी निवेशक निवेश नहीं करना चाह रहा। संघ के अध्यक्ष महमूद हसन खान बाबू ने कहा, यूनुस की सरकार ने बैंकिंग सुधारों, लूटपाट पर नियंत्रण समेत कुछ अच्छी पहल की हैं लेकिन वह भरोसा हासिल नहीं कर पाई है। कारोबारियों के सबसे अहम संगठन बीजीएमईए ने कहा कि आम तौर पर, एक अंतरिम सरकार के दौरान, निवेशक निवेश नहीं करना चाहते हैं। महमूद बोले- उम्मीद है कि जल्द ही चुनाव होंगे। यह चुनाव एक विश्वसनीय, निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए ताकि लोग अपना फैसला दे सकें।

भारतीयों-बांग्लादेशियों में अच्छे संबंध : महमूद हसन खान बाबू ने कहा, भारतीय और बांग्लादेशी लोगों के बीच संबंध बहुत अच्छे और बहुत सौहार्दपूर्ण हैं। खासकर पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में, हमारे पास कुछ समान सांस्कृतिक चीजें हैं। लेकिन समस्या यह है कि जब दोनों तरफ

सरकार बदलती है, तो स्थिति भी बदल जाती है। कभी बहुत सौहार्दपूर्ण, कभी एकतरफा प्यार और कभी नाराजगी की स्थिति। यह भारत में सरकार या बांग्लादेश में सरकार पर निर्भर करता है। अकुशलता से बंद हुए 4,000 कारखाने महमूद बोले, बांग्लादेश में करीब 4,000 अहम कारखाने उनकी अकुशलता, प्राकृतिक आपदाओं, राजनीतिक हालात जैसी मानव निर्मित आपदाओं या बंदरगाहों, बिजली या ऊर्जा में समस्याओं जैसे बुनियादी ढांचे के कारणों से बंद हो चुके हैं। हम ऊर्जा के मुद्दों जैसे गैस, बिजली और मुद्रास्फीति की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा, ट्रूडो को बताया सबसे कमजोर प्रधानमंत्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जेसी ने खालिस्तान समर्थकों को लताड़ा है। उन्होंने कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री करार दिया। उन्होंने कहा कि ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान खालिस्तानी समर्थन बढ़ा। यह नए पीएम मार्क कार्नी के नेतृत्व में कम हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे लगता है कि खालिस्तानी समर्थन और खालिस्तानी प्रभाव जो हमने अतीत में देखा था, अब ऐसा नहीं होता। जस्टिन ट्रूडो अपने पिता की तरह ही एक बहुत ही कमजोर प्रधानमंत्री थे और उनके पास भारत के खिलाफ एक एजेंडा था, जो खत्म हो गया है। जेसी ने कहा कि अब कनाडा में खालिस्तानी प्रभाव नहीं है। खालिस्तानी आबादी का बहुत ही छोटा हिस्सा है। भारत से बाहर रहने वाले अधिकांश सिख भारत, पंजाब से प्यार करते हैं, और चाहते हैं कि भारत और पंजाब आगे बढ़ें। मैं खालिस्तानियों को सिख भी नहीं मानता क्योंकि वे सिख सिद्धांतों पर काम नहीं करते। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी को कनाडा द्वारा दिए गए निमंत्रण का स्वागत किया और इसे भारत-कनाडा संबंधों का सकारात्मक विकास बताया। उन्होंने पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कार्नी की सराहना की

और कहा कि यह दोनों देशों के लिए एक नई शुरुआत है। जेसी ने कहा कि पीएम मोदी को आमंत्रित करने का कनाडा का निर्णय बहुत अच्छा है। भारत एक बहुत मजबूत राष्ट्र है। अच्छी समझ की जीत हुई और मैं पीएम मोदी को आमंत्रित करने के लिए कनाडाई पीएम मार्क कार्नी की सराहना करता हूं। यह एक बहुत अच्छे रिश्ते की शुरुआत है। खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर हो रहा अवैध व्यापार कार्नी ने कहा कि खालिस्तानी आंदोलन के नाम पर दुष्ट तत्व हर तरह का अवैध व्यापार कर रहे हैं। हमने उन्हें मानव तस्करी में शामिल देखा है। जब सभी युवा जो डंकी मार्ग से इन विदेशी देशों में आ रहे थे, उन्हें गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे तथाकथित खालिस्तानी नेताओं द्वारा पीड़ित और हेरफेर किया जा रहा था। फिर जनमत संग्रह के लिए इस्तेमाल किया गया और उन्हें झूठे वादे दिए गए कि उन्हें राजनीतिक शरण मिलेगी और इस तरह की सभी चीजें। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आने के बाद, यह सब बंद हो गया है और इन सभी झूठे आव्रजन मामलों की जांच होने जा रही है। खालिस्तानियों को नहीं मानते सिख सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक ने कहा कि हम खालिस्तानियों को सिख नहीं मानते क्योंकि वे सिख धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ काम करते हैं। इसलिए उनका प्रतिशत बहुत कम है, और मुझे नहीं लगता कि इस नई सरकार पर उनका कोई प्रभाव है। पूजा स्थलों पर हमले गलत जेसी ने कहा कि हम सभी तरह की हिंसा की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन बर्बरता की हरकतें, खासकर हिंदू मंदिरों-पूजा स्थलों में, गलत थीं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले डॉक्टर दंपति के शव सूरत लाए गए,बरसते में निकली अंतिम यात्रा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद में हुई प्लेन क्रैश दुर्घटना में सूरत के रांदेर क्षेत्र के ताडवाड़ी इलाके में रहने वाले डॉक्टर दंपति की मौत हो गई थी। डॉ. हितेश शाह और उनकी पत्नी अमिता शाह का इस हादसे में निधन हो गया। डीएनए मिलान के बाद आज उनके पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपे गए। इसके बाद दोनों के शव सूरत स्थित उनके घर लाए गए।

इसके बाद रांदेर के ताडवाड़ी क्षेत्र में स्थित सुजाता बंग्लोज से अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में पुलिस बंदोबस्त के साथ बड़ी संख्या में डॉक्टर समुदाय और उनके परिचितजन शामिल हुए। अंत्येष्टि संस्कार जहांगीरपुरा कुरुक्षेत्र श्मशान भूमि में किए गए।

अडाजन सुजाता सोसाइटी में रहने वाले डॉ. हितेश शाह और उनकी पत्नी अमिता शाह का बेटा और बेटी अमेरिका में रहते हैं। डॉ. हितेशभाई शाह अडाजन स्थित सुगम सोसाइटी में रहते थे और वहीं पर वे स्मित ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल भी चलाते थे। डॉ. हितेश शाह सूरत के चिकित्सक समुदाय में एक जाना-पहचाना नाम थे। छह महीने पहले उन्होंने अस्पताल बंद कर दिया था और सेवा कार्यों में जुड़ गए थे।

68 वर्षीय डॉ. हितेश शाह अपनी पत्नी के साथ लंदन में बहन के बर्थडे सेलिब्रेशन में शामिल होने जा रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश वे हादसे का शिकार हो गए और उनका निधन हो गया।

डॉ. हितेश शाह के दोनों बेटे लंदन में ही सैटल हैं। आमतौर पर जब भी डॉ. हितेश शाह लंदन जाते थे, तो वे मुंबई से फ्लाइट लेते थे, लेकिन इस बार किस्मत उन्हें अहमदाबाद तक खींच लाई। डॉ. हितेश शाह के करीबी लोगों ने बताया कि यह डॉक्टर दंपति अक्सर लंदन जाने के लिए मुंबई से ही उड़ान भरते थे, लेकिन इस बार उनका निधन उन्हें अहमदाबाद से लंदन की फ्लाइट पकड़ने के लिए मजबूर कर लाया।

119 के DNA मिले, 80 शव सौंपे गए

विजय रूपाणी समेत 80 मृतकों के डेथ सर्टिफिकेट जारी किए गए

प्रशासन की परिजनों से अपील-कॉल आने के बाद ही शव लेने आएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद अब तक 119 शवों के DNA का मिलान हो चुका है, जिनमें से 80 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के रिश्तेदार भी शामिल हैं। सभी 80 मृतकों के डेथ सर्टिफिकेट भी जारी कर दिए गए हैं। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों से अपील की है कि जब तक उन्हें प्रशासन की ओर से फोन न आए, तब तक वे शव लेने के लिए न आएं, ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलती रहें।

12 जून की दोपहर अहमदाबाद में हुई AI-171 विमान दुर्घटना के बाद युद्धस्तर पर DNA सैंपलिंग और मिलान की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद मृतकों के शव परिजनों को सौंपे जा रहे हैं। अब तक 119 मृतकों के DNA मिलान हो चुके हैं, जिनमें से 80 शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा सभी 80 मृतकों के मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी कर दिए गए हैं।

अभी भी बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों के शव मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस बीच सिविल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन परिवारों को अस्पताल से फोन नहीं आया है, उन्हें समझना चाहिए कि उनके परिजन के DNA की प्रक्रिया अभी जारी है। जैसे ही DNA का मिलान होगा, शव तुरंत सौंप दिया जाएगा।

घटनास्थल पर सर्च ऑपरेशन जारी है। पांचवें दिन एक और मानव अंग बरामद किया गया, जिसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, जांच एजेंसियों को तलाशी के दौरान विमान के पिछले हिस्से में वायर से जुड़ा वॉइस रिकॉर्डर भी मिला है।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में DNA मिलान के बाद शवों को ताबूत में पैक कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ सीधे मृतकों के घर तक पहुंचाने की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई है। सिविल अस्पताल में 170 ताबूत भी तैयार रखे गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के निधन के बाद गुजरात में एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। सभी सरकारी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

सचिन GIDC में नहर से अज्ञात युवक का तैरता हुआ शव मिला

नहर से पुलिस ने अधेड़ की लाश बरामद कर जांच शुरू की, हादसा या आत्महत्या को लेकर बना रहस्य।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गजेरी स्कूल के पास स्थित नहर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही सचिन GIDC पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। साथ ही युवक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गजेरी स्कूल के पास स्थित नहर में शव मिलने की घटना से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने जब नहर में शव को तैरते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है, उसकी उम्र करीब 55 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हादसा है या आत्महत्या। शव पर किसी प्रकार की गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं, लेकिन मृत्यु का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और मृतक की पहचान के लिए इलाके से जानकारी जुटाई जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नहर में पहले भी कचरा और अन्य सामान मिलता रहा है, लेकिन ऐसी घटना पहली बार हुई है। गजेरी स्कूल के पास स्थित यह इलाका सामान्यत: भीड़-भाड़ वाला रहता है, ऐसे में शव मिलने से लोगों में चिंता फैल गई है। सचिन GIDC पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस सभी संभावित एंगल से जांच कर रही है और नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। नहर के आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है और लापता व्यक्तियों की शिकायतों को भी खंगाला जा रहा है। साथ ही, नहर के अन्य हिस्सों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि किसी अहम सुराग को ढूंढा जा सके। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि या जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

अज्ञात असामाजिक तत्वों का आतंक

क्रांतिनगर सोसाइटी में पार्क की गई दो गाड़ियों में लगाई आग,पुलिस ने जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की क्रांतिनगर सोसाइटी में बीती रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने सोसाइटी में खड़ी दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के CCTV फुटेज खंगाल रही है और इस घटना को अंजाम देने वालों की तलाश में जुटी है। फिलहाल आगजनी के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन यह शरारती तत्वों की करतूत मानी जा रही है।

सूरत के लिम्बायत इलाके की क्रांतिनगर सोसायटी में देर रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचाया। सोसायटी में पार्क की गई एक मोपेड और एक मोटरसाइकिल पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी गई। इस घटना से स्थानीय रहवासियों में डर और गुस्से का माहौल फैल गया है। लिम्बायत पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना देर रात हुई। आग लगने से दोनों वाहनों में से मोटरसाइकिल को भारी नुकसान हुआ है, जबकि मोपेड को मामूली नुकसान पहुंचा है। बाइक के मालिक अज़ीज़ भाई ने कहा, च्अब तक लिम्बायत पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ऐसे असामाजिक तत्वों को तुरंत पकड़कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।ज्ज

घटना के बाद से ही इलाके के लोगों में दहशत और आक्रोश है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि पुलिस इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करे और दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर कानून के अनुसार सज़ा दिलवाए।

पेड़ से रस्सी बांधकर युवक ने लगाई फांसी

नगरपालिका के खुले प्लॉट में लटके शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में नगरपालिका के एक खुले प्लॉट में एक युवक पेड़ से रस्सी बांधकर फांसी पर लटका हुआ मिला। यह दृश्य देखकर लोग सहम गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही भेस्तान पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के शव को नीचे उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। पुलिस युवक की पहचान करने की दिशा में जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, भेस्तान इलाके में वखारिया इंडस्ट्रीज़ के पास अंबिका फैब्रिक्स के सामने नगरपालिका का एक खुला प्लॉट है। उसी में एक अज्ञात युवक पेड़ से लटका हुआ मिला, जिसे देखकर लोग डर गए। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर सिविल अस्पताल भिजवाया।

भेस्तान पुलिस अब युवक की पहचान और उसने आत्महत्या जैसा कठोर कदम क्यों उठाया, इसकी जांच में जुटी है। उसकी पहचान के बाद ही आत्महत्या के कारणों का पता चल पाएगा। उल्लेखनीय है कि सूरत में रोजाना आत्महत्या के कई मामले सामने आ रहे हैं।

पुलिस ने बांग्लादेशियों को पकड़ा

उन भिंडी बाजार से 19 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया अहमदाबाद से फरार हुआ एक पूरा परिवार भी शामिल है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के उन इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें अहमदाबाद से भागा हुआ एक पूरा परिवार भी शामिल है। ये सभी अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की है और इनकी पहचान, रहने की अवधि और मकसद की जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई से अवैध घुसपैठ और देश की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अब यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन लोगों को यहां पनाह किसने दी और इनके पीछे कोई नेटवर्क तो नहीं है।

ये सभी पहले पकड़े गए 46 बांग्लादेशियों के घर में रह रहे थे।

अहमदाबाद से भागकर आए एक परिवार के 6 सदस्यों समेत कुल 19 बांग्लादेशियों को सूरत के भेस्तान इलाके में स्थित उन भिंडी बाजार से भेस्तान पुलिस ने पकड़ा है। इन सभी ने पहले पकड़े गए 46 बांग्लादेशियों के खाली घरों में आश्रय लिया था। फिलहाल इन 19 बांग्लादेशियों को रांदेर में रखा गया है।

भेस्तान पुलिस ने तीन दिन पहले उन भिंडी बाजार में अचानक चेकिंग अभियान चलाया था। इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि पहले पकड़े गए 46 बांग्लादेशियों के खाली घरों में कुछ लोग रह रहे हैं। जांच करने पर वहां 19 बांग्लादेशी नागरिक मिले। इनमें 6 महिलाएं, 5 बच्चे, 6 युवतियां और 2 युवक शामिल हैं। पुलिस ने इनके दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि ये सभी कचरा बीनने का काम करते हैं। इनमें से एक बांग्लादेशी परिवार के 6 सदस्य पहले अहमदाबाद में रह रहे थे, लेकिन वहां दबाव बढ़ने के चलते वे सूरत चले आए और उन भिंडी बाजार में अपने किसी परिचित बांग्लादेशी के घर में रहने लगे। इसके अलावा कुछ लोग कतारगाम फुलवाड़ी से भेस्तान आकर रहने लगे थे। गौरतलब है कि पहले भी भेस्तान पुलिस ने इस इलाके में रहने वाले 46 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था, जो अवैध रूप से बनाए गए मकानों में रह रहे थे। अब उन्हीं मकानों में इन 19 बांग्लादेशियों ने फिर से आश्रय ले लिया था। पुलिस समय-समय पर बांग्लादेशियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाती रहती है।

कमलेश प्रजापति ने देश के सबसे बड़े बॉडीबिल्डिंग मंच पर जीते दो रजत पदक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी के दी फ्लेक्स जीम के ओनर और कोच कमलेश प्रजापति ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कुछ भी संभव है। पुणे में 14-15 जून को आयोजित देश के सबसे बड़े बॉडीबिल्डिंग इवेंट डायनामो स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 65 किलोग्राम कैटेगरी में दो रजत पदक हासिल किए। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पूरे भारत से नामचीन बॉडीबिल्डर्स ने भाग लिया था, जिसमें कमलेश प्रजापति ने क्लासिक बॉडीबिल्डिंग कैटेगरी में 5वां स्थान प्राप्त किया।

यह इवेंट न केवल भारत का सबसे बड़ा बॉडीबिल्डिंग मंच माना जाता है, बल्कि यहाँ जीतना हर बॉडीबिल्डर का सपना होता है। कमलेश प्रजापति की इस उपलब्धि ने वापी और गुजरात का मान बढ़ाया है।

कमलेश प्रजापति युवाओं के लिए एक प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, संयमित जीवनशैली और कड़ी ट्रेनिंग है। उनकी इस जीत पर शहरवासियों और फिटनेस जगत के लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

उनकी इस उपलब्धि ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि छोटे शहरों से भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है।